youtube.com/dhurandhar times
twitter.com/dhurandhar times
facebook.com/DHURANDHAR TIMES
www.dhurandhartimes.com 9015441661, 8700925835 मूल्य: ₹ 2/- संपादक- धुरन्धर चौहान

आत्मज्ञान से ही भक्ति मार्ग में प्रशस्त हो सकते हैं –श्री सतपाल जी महाराज

धुरन्धर टाइम्स

परिवर्तन की ओर...

वर्ष : 8, अंक : 10, नई दिल्ली, अप्रैल 2024

dhurandhartimes@gmail.com मासिक RNI : DELHIN/2016/71837 दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी मासिक समाचार पत्र

बिहार में आरजेडी 26, कांग्रेस 9 और लेफ्ट दल 5 सीटों पर लड़ेंगे चुनाव

लालू ने सभी सीटों पर किए उम्मीदवार घोषित, कांग्रेस कल कर सकती है घोषणा

पटना,एजेंसी।

बिहार में सीटों को लेकर आरजेडी और कांग्रेस के बीच चल रही खींचतान खत्म हो गई है। महागठबंधन में काफी मशक्कत के बाद लालू की आरजेडी बिहार में सबसे ज्यादा सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ेगी। उसके बाद कांग्रेस और फिर लेफ्ट दलों बंटवारे में आई सीटों पर अपने-अपने उम्मीदवार उतारेंगे। उम्मीदवारों को लेकर कांग्रेस की कल यानी रविवार को दिल्ली में बैठक होने वाली है।

आखिरकार बिहार में विपक्षी महागठबंधन दलों के बीच सीट बंटवारा हो चुका है। लालू यादव की आरजेडी को 26, कांग्रेस 9 और लेफ्ट दलों (भाकपा माले, भाकपा और माकपा) को 5 सीटें मिली हैं। ज्ञात हो कि कांग्रेस ने 2019 में भी 9 सीटों पर चुनाव लड़ा था। इनमें से सिर्फ एक सीट पर जीत हासिल हुई थी। वहीं आरजेडी एक भी सीट हासिल नहीं कर सकी थी।

लालू यादव ने उनके खाते में आई सभी सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। सीटें बंटवारे के बाद अब कांग्रेस भी अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित करने में जुट गई है। कांग्रेस चुनाव समिति की 31 मार्च यानी रविवार को दिल्ली में बैठक होनी है, जिसमें बिहार में किन उम्मीदवारों को टिकट देना है इस पर बातचीत होगी। सूत्रों की मानें तो इसी दिन कांग्रेस अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर सकती है।

किशनगंज से वर्तमान सांसद मोहम्मद जावेद का नाम इस बार भी लगभग तय माना जा रहा। भागलपुर से विधायक अजीत शर्मा का नाम सबसे आगे चल रहा है। कटिहार से तारिक अनवर कांग्रेस के उम्मीदवार हो सकते हैं।

पटना साहिब सीट पर मीरा कुमार के बेटे अंशुल अभिजीत और राजकुमार राजन के नाम मोहर लग सकती हैं। वहीं समस्तीपुर सीट से पूर्व आईपीएस वीके रवि और अशोक राम दावेदारों में माने जा रहे हैं। कांग्रेस मुजफ्फरपुर से विधायक विजेंद्र चौधरी को अपना लोकसभा उम्मीदवार बना सकती है।

महाराजगंज से विधायक विजय शंकर दुबे और कांग्रेस के बिहार प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह के बेटे आकाश सिंह के नाम की चर्चा है। पश्चिम चंपारण से केदार शाश्वत कांग्रेस प्रत्याशी हो सकते हैं। वहीं सासाराम सीट पर पार्टी किसी नए चेहरे को मौका दे सकती है।

लालू यादव की आरजेडी बिहार में जिन 26 सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ेगी उनमें दरभंगा, बांका, अररिया, मुंगेर, सीतामढ़ी, वैशाली, झंझारपुर, मधुबनी, सीवान, हाजीपुर, औरंगाबाद, मधेपुरा, सुपौल, पूर्णिया, गया, जमुई, नवादा, सारण, पाटलिपुत्र, बक्सर, उजियारपुर, जहानाबाद, वाल्मीकि नगर, पूर्वी चंपारण, शिवहर और गोपालगंज शामिल हैं। भाकपा माले तीन सीटों आरा, नालंदा और काराकाट से चुनाव लड़ेगी। भाकपा को बेगूसराय और माकपा को खगड़िया सीट मिली है।

एनडीए में भाजपा 17 तो जेडीयू 16 पर लड़ेगी चुनाव

भाजपा और नीतीश कुमार की जेडीयू (एनडीए) के सीट बंटावारे की बात करें तो भाजपा 17 और जेडीयू 16 सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ रही है।

वहीं चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 5 सीटें मिली हैं जिस पर वह चुनाव लड़ रही है। जीतन राम मांझी की हिन्दुस्तान आवाम मोर्चा और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा को 1–1 सीट पर ही संतोष करना पड़ा है।

खास खबर

15 साल बाद पहली बार मेरठ में भाजपा और रालोद एक साथ शेयर करेंगे मंच

मेरठ,एजेंसी।

बीते 15 साल बाद पहली बार मेरठ में भाजपा और रालोद का कुनबा एक साथ दिखाई देगा। वजह ये है कि मेरठ से पांच लोकसभा सीटों को साधने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रालोद के जयंत चौधरी एक मंच पर रहेंगे। 31 मार्च यानी कल मेरठ में होने वाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली कई सियासी मामलों में अलग होने जा रही है। 15 साल बाद ये पहली रैली होगी जिसमें रालोद मुखिया चौधरी जयंत सिंह भाजपा के साथ मंच साझा करेंगे। मोदी और जयंत के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रैली से पांच लोकसभा सीटों को साधेंगे।

वर्ष 2002 के विधानसभा चुनाव में रालोद ने भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ा, जिसमें आरएलडी 14 सीटें जीतने में सफल रही, लेकिन चुनाव के बाद अजित सिंह ने अटल सरकार से इस्तीफा दे दिया और भाजपा ने गठबंधन तोड़ लिया। इस लिहाज से ये रैली दोनों दलों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। रैली के जरिए मेरठ, बागपत, मुजफ्फरनगर के अलावा कैराना और बिजनौर लोकसभा को साधा जाएगा। रालोद को अमूमन सबसे ज्यादा भाजपा का साथ ही रास आया है। 2009 के लोकसभा चुनाव में चौधरी जयंत सिंह भाजपा गठबंधन में ही मथुरा से सांसद निर्वाचित हुए। रालोद को भाजपा ने सात लोकसभा सीटें दी। इनमें मुजफ्फरनगर और नगीना को छोड़कर रालोद ने बागपत, हाथरस, मथुरा, अमरोहा और बिजनौर लोकसभा सीट पर जीत हासिल की। प्रधानमंत्री की रैली के लिए चार हेलीपैड बनाए जा रहे हैं।

ठाकरे गुट के स्टार प्रचारकों की सूची जारीः आदित्य ठाकरे, संजय राउत समेत 40 लोग उतरेंगे चुनावी रणक्षेत्र में

मुंबई,एजेंसी।

लोकसभा चुनाव की लड़ाई शुरू हो गई है और नेताओं ने प्रचार सभाएं शुरू कर दी हैं. प्रत्याशियों को जिताने के लिए दिग्गज नेता प्रचार कर रहे हैं. इसी तरह शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी ने अपने स्टार प्रचारकों की सूची की घोषणा की है। इस सूची में शिवसेना सांसद संजय राउत, आदित्य ठाकरे समेत 40 प्रमुख नेता शामिल हैं। यह सूची शिवसेना केंद्रीय कार्यालय से शिवसेना ठाकरे गुट के पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे के आदेश पर की गई है।

स्टार प्रचारकों की इस सूची में शिवसेना नेता सुभाष देसाई, सांसद संजय राउत, शिवसेना नेता अनंत गीते, चंद्रकांत खैरे, सांसद अरविंद सावंत का नाम शामिल है.

कोंकण में ठाकरे गुट के विधायक भास्कर जाधव, सांसद अनिल देसाई, विनायक राऊत, अनिल परब, सांसद राजन विचारे, विधायक सुनील प्रभु का नाम भी शामिल है. शिवसेना नेताओं के साथ विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे, शिवसेना सचिव आदेश बांदेकर, शिवसेना और युवा सेना सचिव वरुण सरदेसाई, उपनेता रवींद्र मिरलेकर, विशाखा राउत, नितिन बानुगाडे-पाटिल, लक्ष्मण वाडले, प्रियंका चतुर्वेदी, सचिन अहीर, मनोज जामसुतकर, सुषमा अंधारे, संजय जाधव का भी नाम सूची में है. वहीं मुंबई की पूर्व महापौर किशोरी पेडणेकर, उपनेता ज्योति ठाकरे, संजना घड़ी, शीतल शेठ-देवरुखकर, जान्हवी सावंत, शरद कोली, सांसद ओमराजे निंबालकर, विधायक सुनील शिंदे, विलास पोटनिस, वैभव नाइक, नितिन देशमुख, आनंद दुबे, किरण माने, सुभाष वानखेड़े और प्रियंका जोशी को भी स्टार प्रचारक के रूप में शामिल किया गया है।

भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुपुर्द-ए-खाक हुआ माफिया मुख्तार अंसारी

परिवार के लोगों को ही मिट्टी देने की इजाजत

गाजीपुर,एजेंसी।

माफिया मुख्तार अंसारी को गाजीपुर के मोहम्मदाबाद स्थित कालीबाग कब्रिस्तान में शनिवार को भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुपुर्द-ए-खाक किया गया, प्रशासन के द्वारा सिर्फ परिवार के लोगों को ही मिट्टी देने की इजाजत दी गई। माफिया डॉन मुख्तार की गुरुवार को मौत हो गई थी। मौत का कारण कार्डियक अरेस्ट बताया गया है। मुख्तार की मौत के बाद गाजीपुर और मऊ सहित पूरे उत्तर प्रदेश में हाई अलर्ट है। पुलिस ने सभी जिलों में पहरा बढ़ा दिया है।

मुख्तार के जनाजे में शनिवार को समर्थकों की भारी भीड़ देखने को मिली। हालांकि बाहर से आए लोगों को कब्रिस्तान के अंदर नहीं जाने दिया गया। मौके पर डीएम सहित प्रशासन के आला अधिकारी मौजूद थे और लोगों को कब्रिस्तान के अंदर जाने से रोका गया।

हत्या, रंगदारी जैसे कई अपराधों में दोषी मुख्तार अंसारी का जन्म गाजीपुर जिले के मोहम्मदाबाद में हुआ था। मुख्तार के पिता सुबहानउल्लाह अंसारी और मां का नाम बेगम राबिया था। गाजीपुर में मुख्तार अंसारी के परिवार की पहचान एक राजनीतिक परिवार की है। 17 साल से ज्यादा वक्त से जेल में बंद रहे मुख्तार के दादा डॉक्टर मुख्तार अहमद अंसारी स्वतंत्रता सेनानी थे। गांधी जी के साथ काम करते हुए वह 1926-27 में कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे। मुख्तार के नाना ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान को 1947 की लड़ाई में शहादत के लिए महावीर चक्र से नवाजा गया था।

इसके पहले माफिया अंसारी का जनाजा कब्रिस्तान पहुंचा। तब भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मुख्तार के बेटे उमर अंसारी ने खुद हाथ में माइक ले ली और लोगों से पीछे हटने की अपील करते रहे, साथ ही यह सूचना देते रहे कि कब्रिस्तान के अंदर सिर्फ परिवार को जाने की अनुमति है।

हालांकि कुछ लोगों ने दीवार फांदने की कोशिश भी की। मुख्तार अंसारी की कब्र उनके पिता व मां की कब्र के समीप खोदी गई। सुरक्षा के लिहाज से कस्बे में चप्पे-चप्पे पर पुलिस के साथ ही अर्द्धसैनिक बल के जवानों की तैनाती रही। इससे पहले मुख्तार अंसारी का शव एंबुलेंस से भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पहुंचा गाजीपुर पहुंचा। कब्रिस्तान के बाहर पुलिस का सख्त पहरा रहा। समर्थकों ने पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर जनाजे के लिए रास्ता बनाया।

राष्ट्रपति मुर्मू भाजपा के दिग्गज नेता आडवाणी को घर जाकर उन्हें करेंगी भारत रत्न से सम्मानित

नई दिल्ली,एजेंसी।

राष्ट्रपति भवन में शनिवार को आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश की चार महान हस्तियों, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जननायक कपूर्री ठाकुर, देश के पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव सहित चौधरी चरण सिंह और देश के प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न से सम्मानित किया। इन चारों विभूतियों को मरणोपरांत यह सम्मान दिया गया है। जबकि देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री और भाजपा के दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी को भी भारत रत्न सम्मान से सम्मानित किया जाना है। लेकिन अस्वस्थ होने के कारण वे शनिवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। बताया जा रहा है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रविवार, 31 मार्च को आडवाणी के घर जाकर उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करेंगी। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई अन्य महत्वपूर्ण व्यक्ति भी मौजूद रह सकते हैं।

बता दें कि शनिवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जननायक कपूर्री ठाकुर को राष्ट्रपति मुर्मू ने देश के सबसे बड़े सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया। स्वर्गीय कपूर्री ठाकुर के पुत्र रामनाथ ठाकुर ने यह सम्मान प्राप्त किया। देश के पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव को भी मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उनके पुत्र पीवी प्रभाकर राव ने यह सम्मान प्राप्त किया।

वहीं पूर्व प्रधानमंत्री एवं किसानों के मसीहा माने जाने वाले चौधरी चरण सिंह को भी मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उनके पोते जयंत चौधरी ने यह सम्मान प्राप्त किया। देश के प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को भी (मरणोपरांत) भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उनकी बेटी नित्या राव ने राष्ट्रपति मुर्मू से यह सम्मान प्राप्त किया।

आत्मज्ञान से ही भक्ति मार्ग में प्रशस्त हो सकते हैं –श्री सतपाल जी महाराज

मुरादनगर,एजेंसी।

गंग नहर स्थित सतलोक आश्रम के श्री हंस इंटर कॉलेज प्रांगण में होली महोत्सव पर मानव उत्थान सेवा समिति के तत्वावधान में अंतिम दिवस पर सत्संग समारोह में उपस्थित अपार जनसमुदाय को संबोधित करते हुए सुविख्यात समाजसेवी व आध्यात्मिक गुरु श्री सतपाल जी महाराज ने कहा कि जब किसी बालक का विकास होता है और वह बड़ा होता है तथा ज्ञान अर्जन करता है तो उसके अंदर परिपक्वता आती है ।इसी प्रकार से भक्ति मार्ग में भी आत्मज्ञान के अर्जन से व्यक्ति प्रशस्त हो सकता है।

उन्होंने कहा कि जैसे नारद जी ने भक्त प्रहलाद को ज्ञान देकर भक्ति मार्ग पर चलने की आज्ञा दी तो वह चल पड़ा फिर पीछे मुड़कर उसने नहीं देखा और अपने जीवन में सफलता हासिल की। नरेंद्र भी स्वामी रामकृष्ण परमहंस की शरण में गए और जब उन्होंने शिक्षा दी तो वे चल पड़े और देखो शिकागो में जाकर जब उन्होंने अपना उद्बोधन दिया तो उस समय जितने भी वक्ता मंच से जनता जनार्दन को संबोधित करते थे तो वह यही कहते थे कि भद्र पुरुषों और भद्र नारियों जब विवेकानंद खड़े हुए तो एक सनातन धर्म का साधु मंच पर खड़ा हुआ और अपना संबोधन देने से पहले उन्होंने कहा अमेरिका के मेरे भाइयों और बहनों सभी को भाई और बहन कहने वाला वही व्यक्ति होता है जो भगवान को एक पिता माने और सबको भगवान की संतान माने तभी हम भाई और बहन होंगे। स्वामी विवेकानंद ने जब संबोधन किया तो दस मिनट तक सभागार के अंदर तालियों की गड़गड़ाहट गुंजायमान होती रही। उन्होंने जब अपनी बात कही कि मैं भारत से आया हूं जिस देश के अंदर वेद प्रकट हुए सबसे प्राचीन पुस्तक, सबसे पुरानी पुस्तक वेद कहे जाते हैं, यह भी माना जाता है कि उनको लिखा नहीं गया। हमारे ऋषि मुनियों को जो अनुभव हुआ, उसी का उन्होंने बखान किया, लोगों ने उसको सुना और सुनकर के याद किया। इसलिए हम उसको श्रुति और स्मृति कहते हैं। श्रुति मायने सुनना और स्मृति मायने याद करना। इसी प्रकार से सारे वेद जो थे,वह केवल मात्र याद किए गए।

श्री महाराज जी ने कहा कि परमपिता परमात्मा प्रकाश स्वरूप हैं, उसी प्रकाश स्वरूप का दर्शन पूर्ण सद्गुरु देव महाराज कराते हैं। उनके द्वारा बताए हुए मार्ग पर चलकर जब एक साधक साधना करता है तो उसके जीवन में एक रूपांतरण होता है और सब जगह परमात्मा के स्वरूप को देखता है। हम सब भी अपने जीवन में उसे प्रकाश स्वरूप को देख सकते हैं। जब एक साधक अपने अंदर स्वयं अनुभव करता है, प्रकाश का ध्यान करता है, तब उसका कल्याण होता है। समारोह के मुख्य अतिथि विधायक व गाजियाबाद लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी श्री अतुल गर्ग जी ने कहा कि श्री महाराज जी का समय समय पर हमें आशिर्वाद मिलता रहा है ।उन्होंने कहा कि राम की कृपा भी उसे ही मिलती है,जिस पर गुरु की कृपा होती है। मुख्य अतिथि श्री अतुल गर्ग जी, विधायक प्रतिनिधि राजेन्द्र मित्तल जी मेदी वाले,विपिन त्यागी,जिला शासकीय अधिवक्ता ।प्रभारी उत्तर प्रदेश एवम उत्तराखंड अधिवक्ता परिषद का संस्था द्वारा फूल मालाओं से स्वागत किया गया गया।

स्वागत करने वालों में विनोद मित्तल जी, ओ.पी.शर्मा जी, अवधेश मित्तल जी, जगदीश जी, के.पी.सिंह जी आदि थे। कार्यक्रम में नरसिंह भगवान व भक्त प्रह्लाद पर एक लघु नाटिका का मंचन किया गया। दिन में श्री महाराज जी, श्रीमाता जी व अन्य विभूतियों ने भक्तों पर रंग गुलाल डालकर होली पर्व मनाया।

कार्यक्रम से पूर्व श्री महाराज जी, माता श्री अमृता जी, श्री विभुजी महाराज , माता आराध्या जी का माल्यार्पण का स्वागत किया गया। मंच संचालन महात्मा हरिसंतोषानंद जी ने किया।

संपादकीय

घाटी की सुरक्षा

इसमें दो राय नहीं कि देश की अखंडता को चुनौती और कानून व्यवस्था के गंभीर संकट के बीच सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम यानी अफस्पा अस्तित्व में आया होगा। हालांकि, नागरिक स्वतंत्रता के अतिक्रमण और कई बार सुरक्षा बलों के अभियानों में चूक के चलते हुई जनक्षति के चलते इसकी सार्थकता को लेकर विमर्श देश में चलता रहा है। इसके खिलाफ लंबे आंदोलन भी हुए और नागरिक स्वतंत्रता से जुड़े संगठन इसका मुखर विरोध भी करते रहे हैं। यद्यपि देश की सरकारें इसे अराजकता व अतिवाद के उपचार के साधन के रूप में देखती रही हैं। बहरहाल, अनुच्छेद 370 हटाये जाने के बाद केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में सामान्य होती स्थिति के बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा अफस्पा हटाने के संकेत का स्वागत ही किया जाना चाहिए। जिसके बाद नागरिक स्थलों की सुरक्षा का जिम्मा पुलिस को सौंपा जा सकता है। निश्चित रूप से इसे घाटी में लोकतांत्रिक व्यवस्था बहाल करने की दिशा में एक कदम के रूप में देखा जा सकता है। गृह मंत्री ने यथाशीघ्र इस केंद्रशासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव कराने व कानून व्यवस्था पुलिस को सौंपे जाने के संकेत दिये हैं। निश्चित रूप से घाटी में पिछले कुछ समय में कानून व्यवस्था में सुधार देखा गया है। सीमा पर कड़ी चौकसी और आतंकवादी संगठनों का वित्त पोषण करने वाले व्यक्तियों व संगठनों पर नकेल कसी गई है। कइयों की संपत्ति की कुर्की, गिरफ्तारी तथा बैंक खातों को सील करने की कार्रवाइयां हुई हैं। जिसके चलते अलगावादियों की गतिविधियों पर किसी हद तक अंकुश लगाने में कामयाबी मिली है। ऐसे में राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया प्रारंभ करने के लिये अनुकूल वातावरण बनता दिख रहा है। ऐसे में अफस्पा हटाने का कदम राज्य में विधानसभा चुनाव के अनुरूप राजनीतिक गतिविधियां आरंभ करने में सहायक साबित हो सकता है। वैसे भी नागरिक प्रशासन से जुड़े स्थानों पर सैन्य बलों की तैनाती लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना की दृष्टि से अच्छी नहीं कही जा सकती है। उम्मीद के अनुरूप गृहमंत्री अमित शाह की जम्मू-कश्मीर से अफस्पा हटाने की टिप्पणी का विभिन्न राजनीतिक दलों व वरिष्ठ नौकरशाहों ने स्वागत ही किया है। जो राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया आरंभ करने की दिशा में पहला व निर्णायक कदम माना जा रहा है। जम्मू-कश्मीर को केंद्रशासित प्रदेश बनाये जाने से पहले वर्ष 2008 से 2018 तक जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल रहे सीनियर ब्यूरोक्रेट एन.एन. वोहरा का मानना है- ह्यजम्मू कश्मीर में विशेष अधिकार अधिनियम यानी अफस्पा हटाकर कानून-व्यवस्था राज्य पुलिस को सौंपने का संकेत एक सार्थक पहल होगी। उन्होंने देश के उन अन्य क्षेत्रों में ऐसी पहल की जरूरत बतायी, जहां आंतरिक सुरक्षा के लिये लंबे समय से सैन्य बलों को तैनात किया गया है। उनका मानना है कि सार्वजनिक व्यवस्था बनाये रखना राज्य पुलिस का प्राथमिक कर्तव्य है। जिससे सेना को उसके वास्तविक काम पर लौटने में मदद मिल सकेगी।ह्ण निश्चित रूप से किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिक अधिकारों की बहाली सत्ता की प्राथमिकता होनी चाहिए। सैन्य बलों की कार्यशैली में नागरिकों के प्रति संवेदनशीलता को लेकर भी प्रश्न उठते रहे हैं। निश्चित रूप से नागरिकों से जुड़े कानूनी पहलुओं का क्रियान्वयन व कार्यशैली लोकतांत्रिक दृष्टिकोण की मांग करते हैं। यही वजह है कि जाने-अनजाने में कई निर्दोष लोगों के सैन्य बलों की कार्रवाई की चपेट में आने की आशंका बनी रहती है। पुलिस की भूमिका जहां कानून व्यवस्था बनाये रखने की होती है, वहीं उसे स्थानीय विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने का अनुभव भी होता है।

(चिंतन-मनन)

कर्म का फल हैं योनियां

जीवों में शरीर तथा इन्द्रियों की विभिन्न अभिव्यक्तियां प्रकृति के कारण हैं। कुल मिलाकर 84 लाख भिन्न-भिन्न योनियां हैं और ये सब प्रकृतिजन्य हैं। जीव के विभिन्न इन्द्रिय-सुखों से ये योनिया मिलती हैं जो इस या उस शरीर में रहने की इच्छा करता है। जब उसे विभिन्न शरीर प्राप्त होते हैं तो वह विभिन्न प्रकार के सुख तथा दुख भोगता है। उसके भौतिक सुख-दुख शरीर के कारण होते हैं, स्वयं उसके कारण नहीं। उसकी मूल अवस्था में भोग में कोई सन्देह नहीं रहता, अतः वही उसकी वास्तविक स्थिति है। वह प्रकृति पर प्रभुत्व जताने के लिए भौतिक जगत में आता है। वैपुंठ लोक शुद्ध है, किन्तु भौतिक जगत में प्रत्येक व्यक्ति विभिन्न प्रकार के शरीर-सुखों को प्राप्त करने के लिए संघर्षरत रहता है।

यह कहने से बात और स्पष्ट हो जाएगी कि यह शरीर इन्द्रियों का कार्य है। इन्द्रियां इच्छाओं की पूर्ति का साधन हैं। यह शरीर तथा हेतु रूप इन्द्रियां प्रकृति द्वारा प्रदत्त हैं और जीव को पूर्व आकांक्षा तथा कर्म के अनुसार परिस्थितियों के वश वरदान या शाप मिलता है। जीव की इच्छाओं तथा कर्मों के अनुसार प्रकृति उसे विभिन्न स्थानों में पहुंचाती है। जीव स्वयं ऐसे स्थानों में जाने तथा मिलने वाले सुख-दुख का कारण होता है। एक प्रकार का शरीर प्राप्त होने पर वह प्रकृति के वश में हो जाता है।

लाल सागर : नौवहन में बाधा घातक

–डॉ. सुरेन्द्र कुमार मिश्रा–

स्वेज नहर भू-मध्य सागर को लाल सागर से जोड़ती है। स्वेज नहर से प्रति वर्ष 17000 से ज्यादा जलपोत अपना आवागमन करते हैं। एक जानकारी के मुताबिक, लाल सागर से लगभग 12 प्रतिशत वार्षिक वैश्विक व्यापार किया जाता है। यदि हम भारत की बात करें तो हमारे देश का 200 अरब अमेरिकी डॉलर से ज्यादा का व्यापार स्वेज नहर और लाल सागर के रास्ते से होता है। लाल सागर जल-डमरू वैश्विक कंटेनर यातायात के 30 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार के 12 प्रतिशत के लिए विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण है। यूरोप के साथ भारत की लगभग 80 प्रतिशत वस्तुओं का व्यापार भी इसी मार्ग से होता है। इसी समुद्री मार्ग से भारत अपना 50 प्रतिशत निर्यात और 30 प्रतिशत आयात करता रहा है। वास्तव में लाल सागर में नौवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने की सामयिक आवश्यकता है। अदन की खाड़ी में हूती विद्रोहियों ने इसी माह एक और जलयान को निशाना बनाकर जोरदार हमला कर दिया।

यमन में हूती समुद्री लूटेरों से संबद्ध संघर्ष में निरंतर होती वृद्धि और लाल सागर में व्यावसायिक जलयानों पर जारी हमले बड़ी चुनौती के रूप में उभरे हैं। अदन की खाड़ी में हूती विद्रोहियों ने 17 मार्च, 2024 के रोज एक और जलयान को निशाना बनाकर कथित रूप से हमला किया। हूती आतंकवादी इजराइल का समर्थन करने के लिए अमेरिका तथा ब्रिटेन को विशेष रूप से अपना विद्रोह प्रदर्शित करके इस क्षेत्र में घातक हमले कर रहे हैं। यमन में हूती विद्रोहियों की तेजी के साथ बढ़ती आक्रामक गतिविधियों ने न केवल अपने विरोधियों को ही प्रभावित किया है, बल्कि लाल सागर के इस संकट से इस क्षेत्र से होने वाला समुद्री व्यापार भी बाधित हो रहा है। मालवाहक जलयानों का इस क्षेत्र से आवागमन बाधित हुआ है, वहीं वैल्पिक मार्ग का इस्तेमाल कर रहे दुनिया भर के देशों के मालवाहक जलपोत लंबी दूरी तय करके आवाजाही कर रहे हैं, जिससे उनकी लागत में इजाफा हो रहा है। उल्लेखनीय है कि अदन दक्षिणी यमन का बंदरगाह शहर है, जहां देश की निर्वासित सरकार है। हूती विद्रोहियों ने इसी इलाके पर अनेक बार ड्रोन और मिसाइलों से हमले किए हैं। परिणामस्वरूप अदन की खाड़ी से ईधन और अन्य मालवाहक जलयानों की आवाजाही बाधित हुई है। हूती विद्रोहियों का कहना है कि वे इजराइल को हमास के खिलाफ गाजा पट्टी में अपना आक्रमण बंद करने के लिए मजबूर करना चाहते हैं। लाल सागर में हूती विद्रोहियों के आक्रमण से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की समस्या उत्पन्न हो गई है। जलयान कंपनियां परेशान तथा डरी हुई हैं क्योंकि लंबा जलमार्ग अपनाने से उनका समय एवं लागत, दोनों बढ़ जाते हैं, जिसका प्रत्यक्ष और परोक्ष प्रभाव आयात-निर्यात पण्राली पर पड़ेगा। ये हमले वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भी बड़ी और कड़ी चुनौती बन चुके हैं। अमेरिका से मिली एक जानकारी के अनुसार 23 दिसम्बर, 2023 को हूती विद्रोहियों ने लाल सागर से इजराइल जाने वाले सभी देशों के जलपोतों पर हमला करने की चेतावनी दी थी। लाल सागर क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय शिपिंग के रास्तों पर दो एंटीबैलेस्टिक मिसाइलें भी फायर करके इजराइल समर्थक देशों को आगाह किया था।

सामरिक, आर्थिक, व्यापारिक और कूटनीतिक दृष्टि से लाल सागर विश्व भर के सबसे संवेदनशील एवं महत्त्वपूर्ण समुद्री मागरे में गिना जाता है। स्वेज नहर भू-मध्य सागर को लाल सागर से जोड़ती है। स्वेज नहर से प्रति वर्ष 17000 से ज्यादा जलपोत अपना आवागमन करते हैं। एक जानकारी के मुताबिक, लाल सागर से लगभग 12 प्रतिशत वार्षिक वैश्विक व्यापार किया जाता है। यदि हम भारत की बात करें तो हमारे देश का 200 अरब अमेरिकी डॉलर से ज्यादा का व्यापार स्वेज नहर और लाल सागर के रास्ते से होता है। लाल सागर जल-डमरू वैश्विक कंटेनर यातायात के 30 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार के 12 प्रतिशत के लिए विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण है। यूरोप के साथ भारत की लगभग 80 प्रतिशत वस्तुओं का व्यापार भी इसी मार्ग से होता है। इसी समुद्री मार्ग से भारत अपना 50 प्रतिशत निर्यात और 30 प्रतिशत आयात करता रहा है। वास्तव में लाल सागर में नौवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने की सामयिक आवश्यकता है। अदन की खाड़ी में हूती विद्रोहियों ने इसी माह एक और जलयान को निशाना बनाकर जोरदार हमला कर दिया।

ब्रिटिश सेना के यूनाइटेड किंग्डम मैरीटाइम ट्रेड आपरेशंसइ केंद्र ने इस बारे में बताया कि वास्तव में आकस्मिक हमला अदन के अपतटीय क्षेत्र में हुआ। अमेरिकी सेना की मध्य कमान के अनुसार यमन में हूती के नियंत्रण वाले क्षेत्र में पांच ड्रोन नौका और एक ड्रोन को तबाह कर दिया गया है। यह अभी तक नष्ट की जाने वाली ड्रोन नौकाओं की सबसे अधिक संख्या है जो असामान्य है। भारतीय नौसेना अरब सागर के विभिन्न क्षेत्रों में समुद्री सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए अनेक अपने युद्धपोत तैनात किए हुए है। समुद्री टोह लेने के लिए विमानों की भी तैनाती कर दी गई है। भारतीय तट से लगभग 1400 समुद्री मील (लगभग 2600 किलोमीटर) दूर लगातार लगभग 40 घंटे तक चलाए गए अपने अभियान के दौरान उसने न केवल माल्टीज ध्वज वाले अपहृत व्यापारिक जलयान एम. वी. रूएन के चालक दल के 17 सदस्यों को सुरक्षित रिहा कराया, बल्कि 35 सोमालियाई समुद्री लुटेरों को भी आत्मसमर्पण के लिए बाध्य कर दिया। इस अभियान में भारतीय वायु सेना ने भी सक्रिय भूमिका निभाई जिसने सी-17 एयरक्राफ्ट के जरिए मार्कोस (विशेष समुद्री कमांडो) को एम. वी. रूएन पर एयर ड्राप करवाया। इस एयर क्राफ्ट के सक्रिय सहयोग से दो लड़ाकू नौकाओं को भी उनके सटीक स्थान तक पहुंचाया। भारतीय नौसेना ने अनेक विदेशी जलयानों की सुरक्षा में भी सहयोग दिया है और उन्हें हूती विद्रोहियों के कब्जे से छुड़वाया है। उल्लेखनीय है कि जलयान एमवी रूएन का विगत वर्ष 14 दिसम्बर को सोमालिया के समुद्री डकैतों द्वारा अपहरण कर लिया गया था। भारतीय नौसेना ने मजबूत कूटयोजना के साथ समर तंत्र अपना कर यह अभियान सफलता के साथ पूरा किया। बुल्गारिया की विदेश मंत्री मारिया ग्रेब्रियल ने अपहृत जलयान और उसके सात नागरिकों सहित चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित बचाने के लिए भारतीय नौसेना का आभार व्यक्त किया। इसके प्रतिउत्तर में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा-दोस्त इसी के लिए होते हैं।इ वास्तव में यह जलपोत लगभग 10 लाख अमेरिकी डॉलर की कीमत वाला तथा करीब 37800 टन माल ले जाने की क्षमता से युक्त है। इस अभियान में भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस कोलकाता की विशेष भूमिका रही क्योंकि उसने एम. वी. रूएन जलपोत के स्टीयरिंग सिस्टम और नेवीगेशनल सहायता व्यवस्था को अक्षम बना दिया था। निःसंदेह लाल सागर में हूती विद्रोहियों की घातक गतिविधियों के कारण जहां इस क्षेत्र से होकर की जाने वाली तेल आपूर्ति में व्यवधान पड़ा है, वहीं विदेश व्यापार भी प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से प्रभावित हुआ है। इस संकट से उभरने के लिए लाल सागर में सभी प्रकार के जलपोतों की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने की सामूहिक और सामयिक जरूरत है। आसपास के समुद्री मागरे की सुरक्षा के लिए सभी देशों को समय रहते सजग, सतर्क और सशक्त बनाना होगा ताकि आर्थिक और व्यापारिक विरोधी गतिविधियों पर समय रहते सही ढंग से लगाम लगाई जा सके।

अंतरराष्ट्रीय दबाव को समय रहते पहचाने सरकार

–सनत जैन–

यदि इन सब बातों को हम नजर अंदाज करके वह करना चाहते हैं, जो भारतीय संविधान, लोकतांत्रिक व्यवस्था और मानव अधिकारों के अनुरूप नहीं है। ऐसी स्थिति में अंतरराष्ट्रीय जगत का दबाव पहले भी पडता रहा है। एक बार फिर यही अंतरराष्ट्रीय दबाव 1977 के बाद 2024 में देखने को मिल रहा है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर जर्मनी और अमेरिका की सरकारों द्वारा जिस तरह की टिप्पणी की गई है। भारत सरकार ने जिस तरह से जर्मन और अमेरिका की सरकार को प्रतिक्रिया से अवगत कराया है। उसको लेकर अंतरराष्ट्रीय जगत में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिलने लगी है। भारत सरकार ने जर्मन और अमेरिका के राजनायिकों को दिल्ली के विदेश मंत्रालय में तलब करके, भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने पर नाराजी जताई है। यह भारत का आंतरिक मामला नहीं है। वैश्विक व्यापार संधि के बाद सारी दुनिया के देश आपस में जुड़े हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय समझौते के रूप में भारत ने दर्जनों समझौते मानव अधिकार और लोकतंत्र वैश्विक व्यापार इत्यादि के मसले पर कर रखे हैं। भारत की वर्तमान न्यायपालिका और लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर अंतरराष्ट्रीय जगत में इसी तरह की प्रतिक्रिया होनी थी, जो हुई है। भारतीय न्यायपालिका और भारत सरकार दोनों को ही अमेरिका और जर्मनी द्वारा की गई टिप्पणी को गंभीरता से लेने की जरूरत है। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो इसका असर अंतरराष्ट्रीय संबंधों और व्यापार मे पडना तय है। भारत सरकार राजनीतिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप को किसी कीमत में बर्दाश्त नहीं करेगा। यह संदेश भारत सरकार ने अंतरराष्ट्रीय जगत को देने की कोशिश की है। भारत की कानूनी प्रक्रिया पर अमेरिका ने जिस तरह से अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। वह केवल भारत का मामला नहीं है। भारतीय न्याय पालिका से सारे दुनिया के देश जो भारत से किसी भी तरह से कोई रिश्ता रखते हैं। किसी भी देश का कोई नागरिक या कंपनी भारत के साथ रिश्ता रखती है। भारत की न्यायिक व्यवस्था उसे प्रभावित करती है। जिस तरह से भारत की न्यायपालिका को अंतरराष्ट्रीय जगत में स्वतंत्र भारतीय न्यायपालिका के स्थान पर, सरकार के प्रभाव में काम कर रही न्यायपालिका के रूप में देखा जा रहा है। उससे सारी दुनिया के देशों की चिंता बढ़ रही है। भारत में जो नियम कायदे कानून लागू है। वह भारतीयों के साथ-साथ पूरी दुनिया के देशों के उन नागरिकों और उन कंपनियों के ऊपर भी लागू होते हैं। जो भारत के साथ व्यापार, पर्यटन, बैंकिंग, मानव अधिकार और धार्मिक आधार में जुड़े होते हैं। अंतर्राष्ट्रीय संस्थान जो भारत को आर्थिक मदद देते हैं। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं एक लोकतांत्रिक देश के रूप में भारत के साथ जिस तरह अंतरराष्ट्रीय कानून की सहभागिता को देखते हुए रिश्ते बनाते हैं। यदि उन्हें लगता है, कि भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था खत्म हो रही है। न्यायपालिका पर सरकार की दखलंदाजी है। मानव अधिकार कानूनों का पालन ठीक तरीके से नहीं हो रहा है। ऐसी स्थिति में अंतरराष्ट्रीय दबाव बनना एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। 1975 में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल लागू किया था। वह घोषित आपातकाल था। संसद का कार्यकाल बढ़ाया गया था। इसके विरोध में अंतरराष्ट्रीय जगत में उस समय भी इसी तरह की के प्रतिक्रिया व्यक्त की गई थी। तत्कालीन सरकार पर दबाव बनाया गया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को आपातकाल को खत्म करना पड़ा था। तत्कालीन सरकार को लोकतांत्रिक ढंग से चुनाव कराने पड़े। जेल में बंद सारे मीसा बंदियों को छोड़ना पड़ा था। उस समय इंदिरा गांधी ऐसा नहीं करती, तो अमेरिकी प्रतिबंधों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय जगत के कई प्रतिबंधों का सामना भारत को करना पड़ता। 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद भारत के ऊपर अमेरिकी प्रतिबंध पहले से ही लागू थे। जिसके कारण भारत सरकार को 1977 में दबाव में आना पड़ा। अंतरराष्ट्रीय दबाव के कारण ही भारत सरकार को चुनाव कराने पड़े थे। आपातकाल खत्म करना पड़ा था। अभी अघोषित आपातकाल की तरह स्थिति है। अंतरराष्ट्रीय कानूनों पर जो सहमति भारत सरकार ने दी है। भारतीय कानून भी अंतरराष्ट्रीय कानून का समर्थन करते हैं। विशेष रूप से मानव अधिकार, वैश्विक व्यापार एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर जो सहमति हमने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दे रखी है। उसी के कारण अंतरराष्ट्रीय जगत में भारत की वर्तमान स्थिति पर टीका टिप्पणी की जा रही है। यदि इसको सही तरीके से नहीं देखा गया, तो आगे चलकर भारत के लिए मुसीबतें खड़ी हो सकती हैं। भारत सरकार का यह कहना है, जर्मन और अमेरिका ने भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप किया है। यह सही प्रतीत नहीं होता है। जिस तरह से विपक्षी दलों के ऊपर सरकारी एजेंसियों द्वारा कार्रवाई की जा रही है। न्यायपालिका से पीड़ित पक्ष को राहत नहीं मिल रही है। विभिन्न कानूनो के माध्यम से नागरिकों को आरोप के आधार पर कई महीने और सालों तक जेल में बंद करके रखा जा रहा है। न्यायालय से आरोपियों को जमानत नहीं मिल रही है। उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। तारीख पर तारीख दी जा रही है। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं, नागरिकों की स्वतंत्रता और अधिकार धीरे-धीरे खत्म होते जा रहे हैं। संवैधानिक संस्थाएं स्वतंत्रता के साथ काम नहीं कर पा रही हैं। ऐसी स्थिति में अंतरराष्ट्रीय जगत से इस तरह के सुर उठते हैं। भारत सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करना होगा। भारत सरकार के साथ-साथ भारत की न्यायपालिका, चुनाव आयोग, राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग जैसे संस्थान जो स्वतंत्र संस्थान माने गए हैं। इन्हें स्वतंत्रता के साथ यदि काम नहीं करने दिया जाएगा। इसमें निष्पक्ष लोगों की नियुक्ति नहीं होगी। ऐसी स्थिति में भारत अंतर्राष्ट्रीय जमात में अलग-थलग पड़ सकता है। भारत एक लोकतांत्रिक देश है। इसका अपना एक लिखित संविधान है। संविधान में नागरिकों के मौलिक अधिकार और सरकार के गठन को लेकर एक निश्चित प्रक्रिया निर्धारित है। भारत में 75 वर्षों का लोकतांत्रिक इतिहास है।

मुद्दा : जन सरोकार व संघ का विस्तार

–अवधेश कुमार–

शाखाओं की संख्या एक लाख करने का लक्ष्य है। राममंदिर के उद्घाटन समारोह से पहले अयोध्या से लाए गए पूजित अक्षत को घरों में बांटने के दौरान संघ एवं समवैचारिक संगठनों के 44 लाख 98 हजार कार्यकर्ता 5 लाख 98, 778 गांवों तक पहुंचे थे। 19 करोड़ 38 लाख परिवारों तक अक्षत पहुंचाया गया और 22 जनवरी को पांच लाख 60 हजार स्थानों पर 9.85 लाख कार्यक्रम हुए। अन्य अनेक संगठनों की समस्या है कि भारत के जनमानस को न समझने के कारण उचित भूमिका नहीं निभाते या विपरीत चले जाते हैं।

नागपुर में संपन्न राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रतिनिधि सभा के दौरान संपूर्ण भारत और भारत में अभिरु चि रखने वाले विश्व भर के मीडिया का एकत्रीकरण था। सामने लोक सभा चुनाव के कारण ऐसा लग रहा था कि वहां से इसके संबंध में कुछ रणनीति ऐसी बनेगी, ऐसा वक्तव्य आएगा जो समाचार, बहस और विचार की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण होगा। लंबे अनुभव के बावजूद पत्रकारों और मीडिया संस्थानों की धारणा बदली नहीं है कि चुनाव या राजनीतिक दल या सरकार को फोकस करके संघ के आयोजन नहीं होते। यह संभव नहीं कि चुनाव हो और इसमें संघ की अभिरु चि नहीं हो या उसमें उनकी कोई भूमिका हो ही नहीं। यह भूमिका किस रूप में हो सकती है? इस बारे में सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले का वक्तव्य ध्यातव्य है-चुनाव देश के लोकतंत्र का महापर्व हैं। संघ के स्वयंसेवक सौ प्रतिशत मतदान के लिए समाज में जन-जागरण करेंगे। समाज में इसके संदर्भ में कोई भी वैमनस्य, अलगाव, बिखराव या एकता के विपरीत कोई बात न हो, इसके प्रति समाज जागृत रहे। राजनीति और चुनाव को सर्वोपरि मान लेने वाले इस माहौल में सहसा विश्वास करना कठिन है कि देश का सबसे बड़ा स्वयंसेवकों का संगठन मतदाता जागरूकता या समाज में सौमनस्य आदि की दृष्टि से ही चुनाव के दौरान काम करेगा। यह पत्रकारों और मीडिया संस्थानों की जिम्मेवारी है कि देखें कि ऐसा होता है या नहीं? ऐसे सभी संगठनों, जो सीधे दलीय चुनावी राजनीति में शामिल नहीं हैं, की यही यथेष्ट भूमिका हो सकती है। मतदान में किसी दल या उम्मीदवार को अवश्य सहयोग करिए लेकिन संगठन के रूप में चुनावी भूमिका नहीं होनी चाहिए। आप मतदाताओं के बीच जाएं, उन्हें मुद्दों के प्रति जागरूक करें, मतदान के लिए प्रेरित करें तथा इस बीच राजनीतिक दलों के परस्पर आक्रामक तीखे बयानों, आरोपों तथा समाज के अंदर मतदान के लिए वैमनस्य फैलाने वालों या तनाव और हिंसा पैदा करने वालों के असर को कम करने की कोशिश करें। संघ स्वयं को अगर समाज में एक संगठन की जगह समाज का संगठन मानता है तो उसके लिए कोई राजनीतिक दल दुश्मन नहीं हो सकता। हां, राजनीतिक दलों की नीतियां उसके विरुद्ध हैं यानी उसके अनुसार देश हित में नहीं हैं, तो तात्कालिक विरोध किया जा सकता है। प्रतिनिधि सभा ऐसी बैठक होती है जिसमें संघ के सभी शीर्ष पदाधिकारी, प्रांत स्तर के पदाधिकारी और 36 आनुषंगिक संगठनों के प्रमुख या प्रतिनिधि उपस्थित होते हैं। इस नाते 1500 वैसे प्रमुख प्रतिनिधियों की एक जगह उपस्थिति, विमर्श और निर्णय अत्यंत महत्त्व के होंगे। इसमें सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले का पुनर्निर्वाचन हुआ और वे 2027 तक पद पर रहेंगे। संघ पर निष्पक्षता से अध्ययन करने वाले इसका खंडन करते हैं कि यहां चुनाव होता ही नहीं। चुनाव नियमित होते हैं किंतु ज्यादातर अन्य संगठनों या राजनीतिक दलों की तरह पदों की होड़ न होने के कारण नकारात्मक प्रतिस्पर्धा नहीं होती। प्रतिनिधि सभा से घोषित कार्यक्रमों में अहिल्याबाई होल्कर के जन्म के 300वें वर्ष में मई, 2024 से अप्रैल, 2025 तक जन्म वर्ष मनाया जाना है। कितने राजनीतिक दलों, बुद्धिजीवियों और पत्रकारों को अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के महत्त्व का आभास है? कौन राष्ट्रीय संगठन समाज विशेषकर महिलाओं को प्रेरणा देने की दृष्टि से इस तरह का कार्यक्रम आयोजित करेगा? इसके अलावा जो विषय वहां चर्चा में थे उनमें स्वयंसेवकों द्वारा वर्ष में किए गए मुख्य कार्य, श्रीराम मंदिर निर्माण और रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का राष्ट्रीय जागरण की दृष्टि से प्रभाव, संदेशखालि की भयावह घटना और मणिपुर, पंजाब आदि शामिल थे। अगर होसबोले कहते हैं कि स्वतंत्र भारत में संदेशखालि जैसी घटनाएं झकझोर देने वाली हैं, दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए तथा इसमें सभी दलों को अपने राजनीतिक स्वाथरे को छोड़कर महिला सुरक्षा और समाज के इस विषय पर एक मत से ऐसी कार्रवाई करनी चाहिए कि भविष्य में ऐसा करने की कोई सोच भी नहीं सके तो इससे कौन असहमत हो सकता है? दुर्भाग्य से राजनीतिक, बौद्धिक एवं आंदोलनात्मक एक्टिविस्टों की दुनिया में इतना तीखा विभाजन है कि यह सोचकर कहीं भाजपा को इसका चुनावी लाभ न मिल जाए अनेक दल, संगठन, बुद्धिजीवी और पत्रकार इसे बड़ा मुद्दा बनाने से बचते हैं। ऐसे लोग संघ पर कोई टिप्पणी करेंगे तो समाज उसे स्वीकार नहीं कर सकता। स्वाभाविक है कि 2025 की विजयदशमी को संघ के 100 वर्ष पूरे हो रहे हैं, तो उसकी चर्चा होगी और उसके अनुसार योजनाएं बनेंगी।

हालांकि संघ यही कह रहा है कि उसे जब तक संसार है तब तक काम करते रहना है, उसमें अनेक 100 वर्ष आएंगे तो 100 वर्ष का कोई ऐसा विशेष महत्त्व नहीं है किंतु उसका ध्यान रखते हुए ज्यादा से ज्यादा शाखा और संपर्क विस्तार हो यही लक्ष्य सामने आ रहा है और उसकी पुष्टि प्रतिनिधि सभा में हुई। संघ द्वारा दिए गए आंकड़ों के अनुसार 2023 की 68, 651 शाखाओं के मुकाबले संघ की शाखाओं की संख्या बढ़कर 73, 117 पर पहुंच गई। जिन स्थानों पर शाखा लगती हैं, उनकी संख्या 42, 613 से बढ़कर 45, 600 हो गई। प्रतिनिधि सभा में तय हुआ कि 2025 की विजयादशमी से पूर्ण नगर, पूर्ण मंडल तथा पूर्ण खंडों में दैनिक शाखा तथा साप्ताहिक मिलन का लक्ष्य पूरा होगा। शाखाओं की संख्या एक लाख करने का लक्ष्य है। राममंदिर के उद्घाटन समारोह से पहले अयोध्या से लाए गए पूजित अक्षत को घरों में बांटने के दौरान संघ एवं समवैचारिक संगठनों के 44 लाख 98 हजार कार्यकर्ता 5 लाख 98, 778 गांवों तक पहुंचे थे। 19 करोड़ 38 लाख परिवारों तक अक्षत पहुंचाया गया और 22 जनवरी को पांच लाख 60 हजार स्थानों पर 9.85 लाख कार्यक्रम हुए। अन्य अनेक संगठनों की समस्या है कि भारत के जनमानस को न समझने के कारण उचित भूमिका नहीं निभाते या विपरीत चले जाते हैं। दूसरी ओर संघ उसे समझ कर उसके अनुसार भूमिका निभाता है, और ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचने की कोशिश करता है। आप संदेशखालि को इसलिए महत्त्व नहीं देंगे कि इससे भाजपा को लाभ हो जाएगा तो जनमानस, जो उनकी आवाज उठाएगा, उसके साथ जाएगा।

खास खबर

अवार्ड से सम्मानित किया

नई दिल्ली,एजेंसी।

दिल्ली की रमजान-उल-मुबारक इन्तेजामिया कमेटी ने सामाजिक संस्था जम जम फाउन्डेशन के सहयोग से मल्का गंज क्षेत्र की मदीना मस्जिद में विभिन्न मस्जिदों व मदरसों के मुफ्तियों और ईमामों को खिदमत अवार्ड 2024 से सम्मानित किया। इस मौके पर आल इण्डिया इमाम ऑर्गनाइजेशन के चीफ काजी मुफ्ती मौहम्मद ताहिर हुसैन ने रमजान-उल-मुबारक इन्तेजामिया कमेटी के संरक्षक मौहम्मद दानिश मतीन अध्यक्ष शमीम अहमद खान महासचिव मौहम्मद कादिर सचिव मौहम्मद कामिल का पगड़ी बांधकर जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर कारी मुस्तफा, कारी मौहम्मद अनीस, मौलाना मौहम्मद शाबान, मुफ्ती अबुल फजल, मौलाना नफीस, कारी शमीम, मुफ्ती ईशाक हक़्क़ी, मुफ्ती फुरकान, मुफ्ती उस्मान, हाफिज मुस्तकीम, कारी साजिद, मौहम्मद अरशद नदवी, मौलाना मौहम्मद इमरान, मुफ्ती अब्दुल राफे अल कासमी, अनीस अहमद, आदि को खिदमत अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया।

शरीर और आत्मा की शुद्धि करता है रोजा : फहीम

नई दिल्ली,एजेंसी।

शमा एनजीओ के प्रमुख जाने-माने समाजसेवी डॉक्टर फहीम का कहना है रमजान उल मुबारक इबादत के साथ-साथ सेहत के लिए भी बेहद जरूरी है क्योंकि 11 महीने में जिस प्रकार से जाने अनजाने में हम जंक फूड, गैर जरूरी खान-पान के जरिए अपने शरीर में गंदगी, चर्बी और बीमारियों को जन्म देने वाले कारणों को जन्म देते हैं, इस एक महीने के रोजों द्वारा पूरे शरीर की गंदगी आदि को शरीर से दूर किया जा सकता है, रोजा इबादत करने का बेहतरीन तरीका है और सेहत बनाने का भी, इसलिए रमजान में ₹सादा जीवन सादा भोजन₹ मंत्र का पालन करते हुए सेहरी इफ्तार में तली, भुनी, मसालेदार, जंक फूड, किसी प्रकार की कोल्ड ड्रिंक्स, पैक्ड जूस आदि के सेवन से बचें, खाने में फल, दाल-सब्जी, पनीर आदि और नारियल पानी, सत्तू, नींबू शिकंजी और भरपूर पानी का ही सेवन करें। बेहतर है कि इफ्तार में ही खाना खाएं उसके बाद सीधे सेहरी में ही दोबारा खाना खाएं। रात रात भर जागने की बजाए 11 बजे तक सो जाना चहिए और नींद पूरी लेनी चाहिए, सुबह सेहरी कर-के फज्र की नमाज अदा करने के बाद थोड़ा टहलना भी बेहतर है फिर चाहे तो थोड़ा आराम किया जा सकता है।

द्वारका में ऐज वैल एसोसिएशन द्वारा तेरे मेरे गीत (जूनियर) सीजन-6 आयोजित

नई दिल्ली,एजेंसी।

ऐज वैल एसोसिएशन के तत्वावधान में दी न्यू जय भारत अपार्टमेंट, सेक्टर-4 के सामुदायिक सभागार में तेरे मेरे गीत (जूनियर) नामक गीत संगीत संध्या (सीजन-6) का सफलतापूर्वक आयोजन किया! एसोसिएशन के संस्थापक तथा आयोजक सेवानिवृत बैंक अधिकारी इंदर मोहन खन्ना के अनुसार द्वारका आसपास के बीस से अधिक स्कूली बच्चों ने अपने गायन कौशल से उपस्थित सैंकड़ों श्रोताओं को दांतो तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में डॉक्टर दीपमाला कौल लालचंदानी, प्रोतिमा खंडेलवाल, मोहम्मद ताहिर, असगर अली, विशाल गुप्ता, नीरू गुप्ता, प्रोफेसर एस. एस. डोगरा , मेडिसन बाबा, संजय अग्रवाल, योगेश गुप्ता आदि गणमान्य अतिथियों ने शिरकत की। उक्त गीतों भरी शाम में बॉलीवुड के सदाबहार गीतों को उम्दा प्रस्तुति के लिए प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया। समस्त कार्यक्रम का मंच संचालन शशि जैन ने बखूबी अंदाज में करते हुए खूब तालियां बंटौरी।

जेल से सरकार ना चलती देख बौखला गए हैं अरविंद केजरीवाल : हिनू महाजन

नई दिल्ली,एजेंसी।

दिल्ली हाई कोर्ट की अधिवक्ता हिनू महाजन ने कहा हिरासत में बैठे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद जेल से अपनी सरकार ना चलने के भविष्य में हालातो को देख अब बौखला गए हैं और अब अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बनाने की कोशिशें में लग गए हैं यह वही अरविंद केजरीवाल हैं जो पहले परिवारवाद पर बड़ी-बड़ी टिप्पणी करते थे। हिनू महाजन ने कहा कि अरविंद केजरीवाल और उनकी टीम की जो प्लानिंग शुरू से बनी हुई है, उसमें पहली प्राथमिकता जेल से ही सरकार चलाने की थी लेकिन अब उन्हें नजर आ रहा है कि यह काम टेढ़ी खीर है क्योंकि ना तो जेल प्रशासन इसकी अनुमति देने वाला अदालत इसमें हस्तक्षेप इनकार कर चुकी है। उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने साफ कर दिया है की सरकार जेल से नहीं चला करती है इसके बाद उनके पास अब कोई ज्यादा विकल्प नहीं बचे हैं। महाजन ने कहा कि केजरीवाल को राजनीति में किसी पर विश्वास नहीं इसलिए वह मुख्यमंत्री की सीट अपने किसी विधायक को देने को तैयार नहीं है इसलिए अपनी पत्नी को ही यह जिम्मेवारी देने के लिए अब नाटक बाजी कर रहे हैं जिससे उनकी असलियत सामने आ गई है लेकिन वह कुछ भी कर ले अब दिल्ली की जनता उन्हें समझ चुकी है।

महंगाई और बेरोजगारी है जनता के सबसे बड़े मुद्दे : दीपक शर्मा

नई दिल्ली,एजेंसी।

आगामी लोकसभा चुनाव में महंगाई और बेरोजगारी जनता के सबसे बड़े मुद्दे है। यह कहना है यमुनापार शॉप कीपर तथा आर.डब्लू.ए.फाउंडेशन के संस्थापक चेयरमैन दीपक शर्मा का। दीपक शर्मा कहते है भारतीय जनता पार्टी जनता को गुमराह कर इन मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाना चाहती है। लेकिन देश की जनता यह भली भांति जानती है कि लोकसभा चुनाव की आहट के बाद भारतीय जनता पार्टी की सरकार नें रसोई गैस के साथ-साथ डीजल पैट्रोल के कुछ दाम घटाए हैं ताकि लोगो को भ्रमित किया जा सके।

लोकसभा चुनावों में महिलाओं की सहानुभूति प्राप्त करने के लिए भाजपा सरकार ने गैस सिलेंडर की कीमतों में 100 रुपये कम करके लोगों को गुमराह किया है जबकि कांग्रेस सरकार के समय गैस सिलेंडर की सिर्फ 410 रुपये था। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में महिलाओं की सुरक्षा और कल्याण से जुड़े विषयों पर भाजपा सरकार ने असंवेदनशीलता का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने 1987 में महिला आरक्षण का प्रस्ताव रखा था जिसे कांग्रेस सरकार ने राज्यसभा में 2010 में पारित कर दिया था। जिसके तहत महिलाओं के लिए लोकसभा, विधानसभा, निगम सहित पंचायती राज तक आरक्षण लागू करने की आधारशिला रखी थी।

दीपक शर्मा ने कहा कि बहुत ही दुख और तकलीफ की बात है कि भाजपा सरकार ने सबसे ज्यादा नुकसान देश के लोकतंत्र का किया है। महिला आरक्षण की बात करने वाली भाजपा की सरकार और संगठन में क्या महिलाओं, वंचितों और पिछड़ों को पर्याप्त आरक्षण नही दिया है? उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में जहां महिला न्याय के लिए भी लड़ाई लड़ी गई। जिसके कारण महिलाओं का न्याय यात्रा को भरपूर समर्थन मिला। दीपक शर्मा कहते हैं देश की जनता जानती है केवल चुनावो की वजह से रसोई गैस और डीजल पैट्रोल के दाम घटाए गए है और भाजपा ऐसा पहले भी कर चुकी है लेकिन जीतने के बाद फिर से बढ़ा दिए जाते हैं लोग अब समझ चुके है भाजपा केवल जुमलों की पार्टी है चुनाव जीतने के लिए इस तरह के हथकंडे अपनाती है।

31 मार्च की रैली के बाद दिल्ली की कमान संभाल सकती हैं सुनीता केजरीवाल

-उनके पक्ष में राजनीतिक माहौल बनाने में लगे हैं आप के बड़े नेता

-सुनीता केजरीवाल के अलावा किसी नाम पर नहीं बन रही सहमति

नई दिल्ली

अरविंद केजरीवाल के हिरासत में जाने के बाद लगातार बदल रहे राजनीतिक घटनाक्रम में अब मान जा रहा है कि 31 मार्च को रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की बड़ी रैली के बाद सुनीता केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री की कमान संभाल सकती हैं। इस मामले में पूरी तरीके से सहमति बन चुकी है, सिर्फ औपचारिकता है बाकी है क्योंकि केजरीवाल भी है समझ रहे हैं कि राष्ट्रपति शासन की तरफ जाना घाटे का सौदा हो सकता है क्योंकि विधानसभा चुनाव होने में बहुत समय है और इस बीच कोई भी खेल केंद्र सरकार खेल सकती है। माना जा रहा है कि अभी तक दिल्ली को लेकर सभी विकल्पों पर विचार कर रहे मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी लगने लगा है कि अब जो भी फैसला करना है, उन्हें जल्द करना होगा। क्योंकि केंद्र सरकार कहीं ना कहीं केंद्र सरकार यह तय कर चुकी है कि सरकार को मौका मिलते ही विदा कर दिया जाए और उसके बाद उसकी रणनीति आपको भारी भी पड़ सकती है। इसलिए फिलहाल उन्हें जेल से सरकार चलाने की जिद छोड़ अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बनाने में ही भलाई नजर आ रही है। बताया जाता है की मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पहले सोच रहे थे कि यदि राष्ट्रपति शासन दिल्ली में लग जाता है तब हम लोग सड़कों पर उतरकर केंद्र सरकार के खिलाफ यह माहौल बना सकेंगे की देखा उन्होंने दुर्भावना के चलते हमारी सरकार जो की एक बड़े बहुमत की सरकार है उसे हटाकर राष्ट्रपति शासन लगा दिया लेकिन अब लग रहा है की सरकार यदि है कर देती है इसका फायदा कितना मिलेगा यह नहीं कहा जा सकता क्योंकि फिलहाल लोकसभा चुनाव है जिसमें साफ है कि केंद्र में तीसरी बार भाजपा वापसी कर रही है वही अभी दिल्ली के बारे में भी यह नहीं कहा जा सकता कि केजरीवाल को लेकर लोकसभा चुनाव में जनता सहानुभूति वोट देता है या नहीं यदि इन हालातो में भी बीजेपी जीत जाती है वह कहेगी कि दिल्ली की जनता ने अपना जनादेश दे दिया है और राष्ट्रपति शासन होने के हालात में अगली केंद्र सरकार दिल्ली से विधानसभा समाप्त कर महानगर परिषद या कोई और अन्य फैसला भी ले सकती है वही इतने लंबे समय तक सड़कों पर रहना आसान नहीं है। केजरीवाल कैबिनेट के भरोसेमंद लोग भी उन्हें बता चुके कि अभी तो हमें जो दिल्ली में लोकसभा चुनाव के लिए इतना लंबा समय मिला है माहौल बनाना आसान नजर नहीं आ रहा है आसान नजर नहीं आ रहा है इसलिए यह सोच लेना कि राष्ट्रपति शासन के बाद जब हमारे पास कोई सट्टा नहीं रह जाएगी सड़कों पर संघर्ष करना आसान नहीं है इसलिए अपना मुख्यमंत्री होना ही सही विकल्प रहेगा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी पता है की सुनीता केजरीवाल मुख्यमंत्री रहेगी तो पार्टी में सब एक जुट रहेंगे वरना किसी और के नाम पर गुटबाजी शुरू हो सकती है क्योंकि मुख्यमंत्री के दावेदारों में अतिशी सौरव भारद्वाज गोपाल राय दुर्गेश पाठक के अलावा भी कई नाम चल रहे हैं इनमें से किसी को भी बना दिया तो पर्दे के पीछे से बाकी सब टांग खींचे में लग जाएंगे इसलिए सुनीता केजरीवाल को मुख्यमंत्री बनाना सही विकल्प होगा।

राहुल ने दी गारंटी बोले- सरकार बदलने पर लोकतंत्र का चीर हरण करने वालों को सबक सिखाएंगे

नई दिल्ली

कांग्रेस के फ्रीज हुए खाते और आयकर विभाग की विसंगतियों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने काफी नाराजगी जाहिर की है।कांग्रेस ने आरोप लगाया कि आयकर विभाग ने भारतीय जनता पार्टी को लेकर आंखें बंद कर ली हैं, जबकि उस पर 4600 करोड़ रुपये का जुमार्ना बनता है। पार्टी ने यह दावा भी किया कि लोकसभा चुनाव से पहले कर आतंकवाद के जरिये विपक्ष पर हमला किया जा रहा है। पार्टी को 1823 करोड़ रुपये के भुगतान के नोटिस जारी किए हैं। इसे लेकर कांग्रेस नेता आईटी डिपार्टमेंट पर काफी भड़के नजर आए। मुख्य विपक्षी दल के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान दिए एक बयान का वीडियो एक्स पर साझा किया। इसके साथ उन्होंने पोस्ट किया, ह्यजब सरकार बदलेगी तो लोकतंत्र का चीरहरण करने वालों पर कार्रवाई जरूर होगी। ऐसी कार्रवाई होगी कि दोबारा फिर किसी की हिम्मत नहीं होगी, ये सब करने की। यह मेरी गारंटी है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, भाजपा की ओर से 42 करोड़ रुपये जमा करने के लिए 4,600 करोड़ रुपये के जुमार्ने की अनदेखी की गई, जबकि कांग्रेस के विधायकों और सांसदों द्वारा 14 लाख नकद जमा करने के लिए 135 करोड़ रुपये के जुमार्ने की मांग की गई है।मल्लिकार्जुन खरगे ने सवाल किया कि केवल विपक्ष के खिलाफ इस अनुचित तरीके से कार्रवाई करने के लिए आयकर विभाग पर कौन दबाव डाल रहा है? कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया, ह्यमुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को परेशान करने के लिए आयकर विभाग को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की अनुमति क्यों दी जा रही है? वे लोकतंत्र को नष्ट करने और संविधान को कमजोर करने के लिए आयकर विभाग, ईडी, सीबीआई जैसी संस्थाओं का दुरुपयोग कर रहे हैं। वहीं, कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने दावा किया कि केंद्र सरकार कांग्रेस को वित्तीय रूप से दिवालिया करने का प्रयास कर रही है।

ठाकरे गुट के स्टार प्रचारकों की सूची जारी: आदित्य ठाकरे, संजय राउत समेत 40 लोग उतरेंगे चुनावी रणक्षेत्र में

मुंबई

लोकसभा चुनाव की लड़ाई शुरू हो गई है और नेताओं ने प्रचार सभाएं शुरू कर दी हैं. प्रत्याशियों को जिताने के लिए दिग्गज नेता प्रचार कर रहे हैं. इसी तरह शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी ने अपने स्टार प्रचारकों की सूची की घोषणा की है। इस सूची में शिवसेना सांसद संजय राउत, आदित्य ठाकरे समेत 40 प्रमुख नेता शामिल हैं। यह सूची शिवसेना केंद्रीय कार्यालय से शिवसेना ठाकरे गुट के पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे के आदेश पर की गई है। स्टार प्रचारकों की इस सूची में शिवसेना नेता सुभाष देसाई, सांसद संजय राउत, शिवसेना नेता अनंत गीते, चंद्रकांत खैरे, सांसद अरविंद सावंत का नाम शामिल है. कोंकण में ठाकरे गुट के विधायक भास्कर जाधव, सांसद अनिल देसाई, विनायक राऊत, अनिल परब, सांसद राजन विचारे, विधायक सुनील प्रभु का नाम भी शामिल है. शिवसेना नेताओं के साथ विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे, शिवसेना सचिव आदेश बांदेकर, शिवसेना और युवा सेना सचिव वरुण सरदेसाई, उपनेता रवींद्र मिरलेकर, विशाखा राउत, नितिन बानुगाडे-पाटिल, लक्ष्मण वाडले, प्रियंका चतुर्वेदी, सचिन अहीर, मनोज जामसुतकर, सुषमा अंधारे, संजय जाधव का भी नाम सूची में है. वहीं मुंबई की पूर्व महापौर किशोरी पेडणेकर, उपनेता ज्योति ठाकरे, संजना घड़ी, शीतल शेठ-देवरुखकर, जान्हवी सावंत, शरद कोली, सांसद ओमराजे निंबालकर, विधायक सुनील शिंदे, विलास पोटनिस, वैभव नाइक, नितिन देशमुख, आनंद दुबे, किरण माने, सुभाष वानखेड़े और प्रियंका जोशी को भी स्टार प्रचारक के रूप में शामिल किया गया है।

पैसों के अभाव में किसी की पढ़ाई नहीं छूटनी चाहिए : श्याम सुन्दर अग्रवाल

नई दिल्ली,एजेंसी।

पूर्व महापौर श्याम सुन्दर अग्रवाल ने कहा कि देश के सभी बच्चो का भविष्य उज्ज्वल हो इसके लिए आवश्यक है पैसे के अभाव में किसी की भी पढ़ाई नही छूटनी चाहिए इसी क्रम में हमने आज 16 वे बच्चे को उसके उज्ज्वल भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए उसकी आजीवन पढ़ाई का संकल्प लिया गया। श्याम सुन्दर अग्रवाल ने बताया हमने मोची भाई के बेटे अजीब राम जिसने पैसे के अभाव में अपनी पढ़ाई छोड़ने का मन बना लिया था जिसकी जानकारी मिलने पर हमने बच्चे की जीवन भर पढ़ाई का बीड़ा उठाकर पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया मुझे खुशी है समाज सेवी मुकेश ने हमें सहयोग दिया आज बच्चे को बारहवी कक्षा में प्रवेश करवा दिया गया है। श्याम सुन्दर अग्रवाल ने कहा शिक्षा हर व्यक्ति के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है शिक्षा के बिना जीवन में कोई भी सफलता प्राप्त नहीं कर सकता लेकिन कई बार आर्थिक समस्याओं के कारण कई युवाओं को आगे की शिक्षा प्राप्त करने में कठिनाई होती है। इस समस्या को हल करने के लिए, मोदी जी की सरकार द्वारा पीएम यशस्वी छात्रवृत्ति योजना 2024 की शुरूआत की गई है। यह योजना उन विद्यार्थियों के लिए है जो आर्थिक रूप से पिछड़े हुए हैं और उच्च शिक्षा के लिए इच्छुक हैं। पीएम यशस्वी छात्रवृत्ति योजना 2024 के अंतर्गत, इन छात्रों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी ताकि वे अपने अध्ययन को बिना किसी आर्थिक चिंता के जारी रख सकें। यह योजना उनकी मदद करेगी ताकि वे अपने शैक्षिक सपनों को पूरा कर समाज में अपनी पहचान बना सकें। सरकार का संकल्प है देश का हर बच्चा उच्च स्तर तक की पढ़ाई करे सरकार द्वारा पढ़ाई के लिए निशुल्क स्कूल कॉलेजों में व्यवस्था की हुई है हमें इसे जन जन तक पहुंचाने की जरूरत है यदि आपको लगता है किसी बच्चे को पढ़ाई के लिए आर्थिक सहायता की तुरंत जरूरत है तो उसकी सहायता करनी चाहिए या हमें बताएं हम सभी मिलकर उसकी सहायता करेंगे किसी भी कीमत पर उसकी पढ़ाई में बाधा नही आने देंगे।

आत्महत्या के बढ़ते मामलों को डॉक्टर भी मानते हैं चिंताजनक

नई दिल्ली,

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के मुताबिक पूरी दुनिया में हर साल 8 लाख से अधिक लोग आत्महत्या कर लेते हैं। वहीं नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो द्वारा गत 4 दिसंबर 2023 को जारी रिपोर्ट के अनुसार भारत में 2022 के दौरान आत्महत्या के 170924 मामले दर्ज किए गए। अपने आप को नुकसान पहुंचाने वाले लोगों की संख्या आत्महत्या करने वालों की संख्या से कई गुना ज्यादा है। आत्महत्या करने वाले और खुद को नुकसान पहुंचाने वाले मामलों को काफी हद तक टाला जा सकता है यदि एसी प्रवृत्ति वाले व्यक्तियों की समय पर पहचान हो जाए और उनको आवश्यक सलाह, मार्गदर्शन व चिकित्सा मिल जाए। खुद को नुकसान पहुँचाना एक गंभीर समस्या बनती जा रही है और यह समस्या किसी भी उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकती है। आत्म-घात की प्रवृत्ति महिलाओं तथा किशोरों में अधिक देखने को मिलती है। खुद को चोट पहुंचाने वाले व्यक्तियों, उनके परिवारों व सामाजिक तथा स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े कार्यकताओं और संगठनों को आत्म-घात से जुड़े मुद्दों के बारे में जागरूक व शिक्षित करने के उद्देश्य से हर साल 1 मार्च को आत्म-घात जागरूकता दिवस मनाया जाता है। सेल्फ इंजरी अवेयरनेस डे को मनाने का उद्देश्य है खुद को नुकसान पहुंचाने से बचाव के बारे में जागरूकता बढ़ाना और इस समस्या से जूझ रहे लोगों को सहायता प्रदान करना। इसके लक्षणों और संकेतों को समझने में मदद करने के लिए स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षण देने की आवश्यकता है। इससे यह समझने में मदद मिलती है कि आत्म-घात एक मानसिक समस्या है और इसके लिए मदद लेना जरूरी है। इससे आत्म-घात की प्रवृत्ति से पीड़ित लोगों मदद लेने के प्रोत्साहित होते हैं। इससे एसे लोगों को यह महसूस होता है कि वे अकेले नहीं हैं और उनके लिए मदद उपलब्ध है। इससे आत्महत्या को रोकने में भी मदद मिलती है। मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्यरत सहायता समूह आत्म-घात की प्रवृत्ति से जूझ रहे लोगों को समर्थन और प्रोत्साहन प्रदान करते हैं। 1800 के दशक में फ्रांसीसी मनोचिकित्सक फिलिप पिनेल ने पहली बार आत्म-घात के कुछ मामले दर्ज किये थे। वहीं 20वीं शताब्दी की शुरूआत में आत्म-घात मानसिक बीमारी के लक्षणों में से एक माना गया। इसके बाद इस बीमारी का विस्तार सेअध्ययन किया गया। इस दौरान 1995 में स्व-विकृति पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। 1997 में इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ सेल्फ-इंजरी की स्थापना की गई।

इसके बाद 2001 में पहला आत्म-घात जागरूकता दिवस मनाया गया और 2003 में यह दिवस एक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में घोषित किया गया। तब से लेकर हर साल 1 मार्च को दुनियाभर में यह दिवस मनाया जाता है। यह दिवस आत्म-घात से पीड़ित लोगों को यह महसूस कराता है कि वे अकेले नहीं हैं और उनके लिए मदद उपलब्ध है। ऐसे रोगियों को यह समझने की आवश्यकता है कि आत्महत्या कभी भी समाधान नहीं है।

खुद को नुकसान पहुंचाने के कुछ लक्षण हैं-

शरीर पर चोट, जलने या खरोंच के निशान,

अकेले रहने की प्रवृत्ति,

अवसाद या चिंता के लक्षण।

यदि ऐसे लक्षण किसी व्यक्ति में दिखाई दें तो उसे शीघ्रातिशीघ्र सहायता, सलाह, मार्गदर्शन व चिकित्सा उपलब्ध करानी चाहिए।

आयुर्वेद मतानुसार आत्मघात की प्रवृत्ति ऐसे व्यक्तियों में मिलती है जिनमें आत्मबल की कमी हो। ऐसे मामलों में अश्वगंधा, शतावरी, कौंच, ब्राह्मी, आंवला जैसी जड़ी बूटियों से बनी आयुर्वेदिक दवाएं प्रभावी हैं क्योंकि ये दवाइयां सेरोटोनिन और डोपामिन जैसे हार्मोन्स के स्राव को बढ़ाती हैं जिससे व्यक्ति के आत्मविश्वास और मानसिक बल में वृद्धि होती है और जीवन के प्रति उसके नजरिये में सकारात्मकता उत्पन्न होती है। योग, प्राणायाम, मैडिटेशन, पूजा, अर्चना, सत्संग और काउंसलिंग से भी रोगी की मानसिक दशा में सुधार होता है।

देश में बनेगी इण्डिया गठबंधन की सरकार : वेद प्रकाश बेदी

नई दिल्ली

अबकी बार चार सौ पार का नारा लगाने वाले दो सौ का आंकड़ा भी पार नहीं कर पायेगें। यह कहना है वरिष्ठ नेता दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के डेलिगेट वेद प्रकाश बेदी का। वेद प्रकाश बेदी कहते हैं नरेंद्र मोदी और उनकी टीम इन्डिया गठ्बन्धन से घबरायी हुई है तभी तो कांग्रेस के विद्रोहियों तथा विपक्ष के बागियों को प्रत्याशी बनाती जा रही है। आलम यह है कि भाजपा को प्रत्याशी भी उधार लेने पड़ रहे हैं और इसी तरह एक-एक या दो-दो सीटो पर भाजपा को गठबंधन करना पड़ रहा है। वेद प्रकाश बेदी कहते हैं देश की जनता समझ चुकी है भाजपा सरकार केवल जुमलों की सरकार है। झूठे वादे करती हैं लोग बार-बार धोखा नहीं खाने वाले। श्री बेदी कहते हैं आप देख लेना इण्डिया गठबंधन बड़े अंतराल से जीत दर्ज करेगा और जहां तक दिल्ली का सवाल है गठ्बन्धन दिल्ली की सातों सीटें जीतेगा। श्री बेदी कहते हैं इंडिया में होगी ₹इंडिया गठबंधन₹ की जीत लोकसभा चुनाव 2024 में जीत हासिल करने के लिए इंडिया गठबंधन की तैयारियां पूरे जोरों पर चल रही है, अन्य राजनीतिक पार्टियों के नेता व कार्यकर्ता ₹इंडिया₹ गठबंधन से जुड़कर अपना समर्थन दे रहे है और देश की जनता के आशीर्वाद से 2024 में इंडिया गठबंधन जरूर ही जीत हासिल करेगा और पूर्ण बहुमत से करेगा। जब इस देश में कांग्रेस की सरकार थी तब कांग्रेस पार्टी ने कभी भी धर्म को राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाया, कांग्रेस पार्टी ने कभी भी धर्म के नाम पर राजनीति नहीं की, कांग्रेस पार्टी ने राजनीति की तो देश के बुनियादी मुद्दों जैसे बेरोजगारी, महंगाई, भुखमरी, देश कीअर्थव्यवस्था पर फोकस किया। कांग्रेस पार्टी ने देश को 21वीं सदी की ओर अग्रसर करने के मकसद से टेक्नोलॉजी पर काम किया, भारत देश को हर क्षेत्र में आत्म निर्भर बनाने के लिए काम किया लेकिन पिछले दस वर्षों से भारत देश में जो हुआ है वो मैं आपको पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं की किसी भी विकसित हो रहे देश में नहीं हुआ होगा, लोगो को धर्म के नाम पर लड़ाया जा रहा है, देश की जनता के मन में धर्म के नाम पर नफरत फैलाई जा रही है, आज का युवा रोजगार को मुद्दा न मानते हुए मंदिर और मस्जिद को मुद्दा मान रहा है। धर्म जो सिर्फ लोगों को प्यार करना सिखाता है, धर्म जो लोगों को भगवान से जोड़ने का काम करता है, पिछले दस वर्षों में भाजपा ने उन पवित्र धर्मों का इस्तेमाल देश में हिंसा फैलाने के लिए किया है। गुरचरन सिंह राजू ने आगे कहा की आज आलम यह है की देश की जनता देश की प्रगति के लिए जरूरी बुनियादी मुद्दों से भटक चुकी है।

भीड़भाड़ वाली जुहू चौपाटी पर दिनदहाड़े नहीं हो सकता दुष्कर्म

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के मामले में आरोपी को जमानत दे दी है। कोर्ट ने सारी दलीलें सुनने के बाद कहा कि मुंबई में भीड़भाड़ वाली जुहू चौपाटी पर दिनदहाड़े आरोपी पीड़िता से दुष्कर्म नहीं कर सकता। इस मामले में पॉक्सो एक्ट लगाने का सवाल नहीं उठता। बॉम्बे हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के आरोपी चौकीदार को जमानत देते हुए कहा ट्रायल कोर्ट ने अभी तक कोई आरोप तय नहीं किया है। न्यायमूर्ति पृथ्वीराज चव्हाण की पीठ चौकीदार द्वारा दायर जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी। अभियोजन पक्ष का कहना था पीड़िता एक बिल्डिंग में नौकरानी का काम करती थी। वही उसकी पहचान चौकीदार से हो गई और दोनों के बीच दोस्ती हुई और बाद में प्रेम संबंध में बदल गई। पीड़िता ने आरोप लगाया था कि 14 मई, 2021 को जब वो आरोपी के साथ जुहू चौपाटी गई थी तो आरोपी ने उससे यौन संबंध बनाने के लिए कहा, जिस पर पीड़िता ने इनकार कर दिया. हालांकि, आरोपी उसे धमकी देते हुए जबरन समुद्र की ओर ले गया और पत्थरों के पीछे उसके साथ दुष्कर्म किया। चौकीदार की ओर से वकील नाजनीन खत्री ने अभियोजन पक्ष द्वारा पेश पीड़िता की एक्स–रे रिपोर्ट की ओर इशारा किया, जिसमें पता चला कि रेडियोलॉजिकल रूप से पीड़िता की उम्र 19 साल से अधिक है, लेकिन 20 साल से कम है। रिपोर्ट देखने के बाद पीठ ने कहा कि अगर ऐसा मामला है तो इस मामले में पॉक्सो एक्ट लगाने का सवाल नहीं उठता है क्योंकि कथित अपराध के समय पीड़िता बालिक थी। इसके बाद कोर्ट ने आरोपी चौकीदार को जमानत दे दी। बता दें कि आरोपी के खिलाफ मामले को देखते हुए पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था।

जयशंकर के आमंत्रण पर नई दिल्ली पहुंचे यूक्रेन के विदेश मंत्री

नई दिल्ली। भारत की अपनी पहली यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने कहा कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग महत्वपूर्ण है, इस आने वाले दिनों में मजबूत किया जाएगा। उनकी दो दिवसीय यात्रा दो साल से अधिक समय से जारी रूस–यूक्रेन युद्ध के शांतिपूर्ण समाधान के प्रयासों के बीच हो रही है। कुलेबा ने पोस्ट किया, मैंने विदेश मंत्री एस जयशंकर के आमंत्रण पर नई दिल्ली की अपनी यात्रा शुरू की। यूक्रेन–भारत सहयोग महत्वपूर्ण है और हम संबंधों को और मजबूत करने पर जोर दे रहे है। राष्ट्रपति जेलेंस्की और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच बातचीत के आधार पर, हम शांति फॉर्मूला पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित कर रहे है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि कुलेबा की यात्रा विदेश मंत्री जयशंकर के आमंत्रण पर हो रही है। अपनी आधिकारिक यात्रा के पहले दिन कुलेबा ने यहां राजघाट का दौरा किया और महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

जम्मू–कश्मीर के रामबन में यात्री टैक्सी के खाई में गिरने से दस की मौत

जम्मू। जम्मू–कश्मीर के रामबन जिले में शुक्रवार सुबह एक यात्री टैक्सी के फिसलकर गहरी खाई में गिर जाने से कम से कम 10 यात्रियों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि जम्मू से श्रीनगर जा रही यात्री टैक्सी दुर्घटनाग्रस्त हो गई और जिले के बैटरी चश्मा इलाके के पास लगभग 800 फीट गहरी खाई में गिर गई। पुलिस ने एक्स पर पोस्ट किया, 'जम्मू–श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रामबन इलाके में बैटरी चश्मा के पास एक यात्री टैक्सी गहरी खाई में गिर गई। पुलिस, राज्य आपदा प्रक्रिया बल (एसडीआरएफ) और सिविल क्यूआरटी मौके पर पहुंच गए हैं, बचाव अभियान जारी है।' इस बीच केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि उन्होंने दुखद सड़क दुर्घटना के बारे में जानने के बाद रामबन के उपायुक्त बसीर–उल–हक से बात की, जिसमें बैटरी चश्मा के पास जम्मू–श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक यात्री टैक्सी के गहरी खाई में गिरने से 10 लोगों की मौत हो गयी। डॉ. सिंह ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, 'पुलिस, एसडीआरएफ और सिविल क्यूआरटी मौके पर पहुंच गए हैं। बचाव अभियान जारी है। मैं लगातार संपर्क में हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है।' इस बीच, पुलिस ने कहा कि बचाव अभियान जारी है और मृत व्यक्तियों की पहचान की जा रही है। संदेह है कि मृतक लोग श्रीनगर की ओर जा रहे श्रमिक थे।

मुख्तार की मौत पर सपा–बसपा दुखी, मायावती ने की जांच की मांग

लखनऊ। माफिया डॉन और पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी की मौत पर समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने दुख व्यक्त किया है। बसपा अध्यक्ष मायावती ने मुख्तार की मौत की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। सुश्री मायावती ने शुक्रवार को ट्वीट किया 'मुख़्तार अंसारी की जेल में हुई मौत को लेकर उनके परिवार द्वारा जो लगातार आशंकायें व गंभीर आरोप लगाए गए हैं उनकी उच्च–स्तरीय जाँच जरूरी, ताकि उनकी मौत के सही तथ्य सामने आ सकें। ऐसे में उनके परिवार का दु:खी होना स्वाभाविक। कुदरत उन्हें इस दु:ख को सहन करने की शक्ति दे।' सपा ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट से पोस्ट जारी कर मुख्तार के निधन पर शोक जताया। उन्होने लिखा 卐पूर्व विधायक श्री मुख्तार अंसारी जी का इंतकाल, दु:खद। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें। शोकाकुल परिजनों को यह असीम दु:ख सहने का संबल प्राप्त हो। विनम्र श्रद्धांजलि।' सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हालांकि निजी रुप से इस बारे में अब तक कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है मगर उनकी पार्टी के नेता आईपी सिंह ने सिलसिलेवार पोस्ट के जरिये इसे भाजपा सरकार की साजिश करार दिया है और जेल में बंद राजनेताओं की सुरक्षा की समीक्षा की मांग की है। गौरतलब है कि बांदा जिला जेल में निरुद्ध मुख्तार अंसारी को गुरुवार रात गंभीर हालत में रानी दुर्गावती मेडिकल कालेज लाया गया था जहां हृदयाघात के कारण उसकी मौत हो गयी थी। परिजनो ने मुख्तार की मौत को परोक्ष रुप से जेल प्रशासन की साजिश बताया है।

बीएसएफ ने अमृतसर में ड्रोन, हेरोइन बरामद

जालंधर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब के अमृतसर जिले में एक पाकिस्तानी ड्रोन और एक किलो से अधिक हेरोइन बरामद की है। बीएसएफ के प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि 28 मार्च 2024 को सतर्क बीएसएफ के सैनिकों ने अमृतसर जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में अपने ड्यूटी पोस्ट के पास असामान्य आवाज़ें सुनीं। उन्होंने कहा कि तेजी से कार्रवाई करते हुए, बीएसएफ जवानों ने संदिग्ध क्षेत्र में गहन तलाशी अभियान शुरू किया। खोज के दौरान, उन्होंने अमृतसर जिले के डौके गांव के पास एक खेत से एक छोटे क्वाडकॉप्टर ड्रोन (डीजेआई माविक 3) को बरामद कर लिया। प्रवक्ता ने बताया कि एक अन्य घटना में 28 मार्च 2024 को, बीएसएफ की खुफिया इकाई ने अमृतसर जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में नशीले पदार्थ ले जा रहे दो अज्ञात व्यक्तियों की संदिग्ध गतिविधि की सूचना दी। उन्होंने कहा कि त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए, बीएसएफ के जवान घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन संदिग्ध भागने में सफल रहे। उनके भागने के बावजूद, बीएसएफ जवानों ने गहन तलाशी ली और शमशान घाट, गांव–नागालंब, जिला–अमृतसर के पास से एक पैकेट (कुल वजन – 1.140 किलोग्राम) हेरोइन बरामद किया, जो भूरे रंग के चिपकने वाले टेप में लपेटा हुआ था।

नवी मुंबई में व्यक्ति को पीटने और जूते चाटने के लिए मजबूर करने के आरोप में छह लोग गिरफ्तार

ठाणे। ठाणे के नवी मुंबई नगर में एक व्यक्ति पर हमला करने तथा उसे जूते चाटने के लिए मजबूर करने के आरोप में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एपीएमसी पुलिस थाने के एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना बुधवार की शाम को हुई थी। उन्होंने बृहस्पतिवार को बताया कि पीड़ित व्यक्ति एपीएमसी में स्थित एक कंपनी की दुकान में कार्यरत था। उन्होंने बताया कि मसाले तैयार करने की कंपनी के मालिक रौनक दयालजीभाई भानुशाली और उसके कर्मचारियों ने मसाले चुराने का आरोप लगाया और पीड़ित पर हमला किया। अधिकारी के अनुसार, हमलावर कर्मचारियों की पहचान संजय चौधरी, लालाजी बाबूबाई पागी, वीरेंद्र कुमार लक्ष्मण गौतम, योगेश और करण के रूप में हुई है। उन्होंने बताया, 'पीड़ित व्यक्ति को कंपनी से इलायची चुराने के आरोप में पीटा गया, उसके कपड़े उतारे गए और आरोपी भानुशाली के जूते चाटने के लिए मजबूर किया गया। आरोपियों ने अपने इस कृत्य का वीडियो भी बनाया।' पुलिस ने कहा कि इस मामले में जांच चल रही है।

आतंकी संगठन आईएस पढ़े-लिखे युवाओं को बना रहा निशाना

– छात्रों से संपर्क करने फैला रहे ऑनलाइन जाल, सुरक्षा एजेंसी सतर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। आतंकी संगठन अपनी ताकत बढ़ाने और पढ़े-लिखे युवाओं को बहकाकर अपने साथ जोड़ने की हर संभव कोशिश करते हैं। ये आतंकी भारत में भी इस तरह का जाल बिछाकर पढ़े-लिखे नौजवान को अपना निशाना बनाते हैं। पिछले ही दिनों गुहावाटी में आईआईटी के छात्र को आतंकी संगठन आईएस के लिए काम करने के आरोप में पकड़ा था। खुफिया सूत्रों का मानना है कि टेलीग्राम पर सीरिया में बैठे एक ही ग्रुप के लोग इन छात्रों को भड़का रहे थे।

खुफिया सूत्रों का मानना है माना जा रहा है कि इंजीनियरिंग के छात्रों को ऑनलाइन भड़काने के पीछे एक ही संगठन हो सकता है। ऑनलाइन ग्रुप के जरिए भड़काए गए छात्रों में जामिया मिलिया इस्लामिया से एमटेक ग्रेजुएट अरशद वारसी और दिल्ली में पिछले अक्टूबर में गिरफ्तार हुए एनआईटी नागपुर से बीटेक करने वाले शहनावाज शामिल हैं। हाल ही में गुवाहाटी से बीटेक ग्रेजुएट हारिस फारूकी को भी गिरफ्तार किया था। ये तीनों दिल्ली, अलीगढ़ और पुणे से जुड़े एक ही गुट के सदस्य थे और हारिस की इन मॉड्यूलों में अगुवाई करने की भूमिका थी। गिरफ्तारी के बाद, पुलिस ने कहा कि हारिस गुप्त चैटिंग एप के जरिए विदेशी हैंडलर के संपर्क में था। उस पर सोशल मीडिया और आमने-सामने मिलकर भोले युवाओं को आतंकी संगठन आईएस में शामिल होने के लिए तैयार करने और उन्हें आतंकी बनाने का भी आरोप था।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पिछले अक्टूबर में शाहनवाज को गिरफ्तार किया था। वह 2017 से जमाल नाम के एक सीरियाई टेलीग्राम अकाउंट के संपर्क में था। जमाल अफगानिस्तान का रहने वाला था, जिसे फरवरी 2018 में तालिबान-आईएस युद्ध में मार दिया गया था। पुलिस ने बताया कि टेलीग्राम और रॉकेट जैसे चैट एप पर ये अकाउंट अलग-अलग लोगों द्वारा चलाए जा रहे थे। फारूकी को 3 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में रखा गया है।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार होने से पहले अपनी लिंक्डइन पोस्ट में तौसीफ फारूकी ने खुद को भारतीय संविधान और उसकी संस्थाओं से अलग कर लिया था। उसने लिखा था, अपने पछतावे के बाद मेरा पहला कदम मुसलमानों की तरफ पलायन करना है, जिसे इस्लामिक स्टेट-खुरासान प्रांत के नाम से जाना जाता है, ताकि इस्लामिक स्टेट के लिए अपनी वफादारी की कसम खा सकूं...यह मुसलमानों और काफिरों के बीच की लड़ाई है। फारूकी के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की फॉरेंसिक जांच की जा रही है। असम पुलिस ने बताया कि उन्हें तौसीफ के कमरे से आईएसआईएस जैसा एक झंडा भी मिला है। जिसके आतंकी लिंक की जांच की जा रही है।

क्रांतिधरा से मोदी करेंगे यूपी में लोकसभा चुनाव का शंखनाद

मेरठ। मौजूदा लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीट और देश भर में 400 से अधिक सीटें जीतने के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संकल्प को पूरा करने के इरादे से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 31 मार्च को लगातार तीसरी बार क्रांतिधरा मेरठ से घनी आबादी वाले राज्य में अपने चुनाव प्रचार का आगाज करेंगे। मोदीपुरम में केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान के पास आयोजित होने वाली इस रैली में भाजपा रालोद (राष्ट्रीय लोकदल) गठबंधन के तहत रालोद मुखिया जयंत चौधरी पहली बार प्रधानमंत्री मोदी के साथ मंच साझा करेंगे।

इससे पहले श्री मोदी ने वर्ष 2014 में मेरठ की धरती से ही उत्तर प्रदेश में चुनाव का शंखनाद किया था जिसकी परिणीत थी कि भाजपा ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश की 14 लोकसभा सीटों पर भगवा लहरा कर विपक्ष का सूपड़ा ही साफ कर दिया था। वर्ष 2019 में भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने क्रांतिधरा मेरठ से ही चुनावी रैली का आगाज किया, लेकिन दोबारा इन 14 में से आधी सीटों यानि सात पर ही भाजपा जीत दर्ज करा सकी। चार सीटों पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और तीन सीटों पर समाजवादी पार्टी कब्जा करने में कामयाब हुईं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि 2024 में प्रधानमंत्री मोदी के मेरठ की क्रांतिकारी धरती से चुनावी रैली के आगाज से चुनावी परिणाम कितने असरदार होते हैं। खासतौर पर जबकि इस बार भाजपा अकेले नहीं बल्कि राष्ट्रीय लोकदल के साथ मिलकर चुनावी मैदान में उतरी है और जाट बैल्ट के मतदाता इस गठबंधन को किस नजर से देखते हैं। यह आने वाले चुनाव परिणाम ही बतायेंगे। गौरतलब है कि वर्ष 2019 में मेरठ, बागपत, मुजफ्फरनगर, कैराना, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर और बुलंदशहर में भाजपा ने जीत हासिल की थी। जबकि सहारनपुर, नगीना, बिजनौर और अमरोहा सीट से बसपा ने जीत दर्ज करवाई थी। इसके अलावा रामपुर मुरादाबाद और संभल में सपा सीट निकालने में सफल हुए थे।

नवनीत राणा ने गृह मंत्री अमित शाह से की मुलाकात, कहा- इस 400 पार में एक अमरावती जरूर रहेगा

मुंबई (एजेंसी)। अमरावती से बीजेपी उम्मीदवार नवनीत राणा ने अपने पति रवि राणा के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है। गृह मंत्री से मुलाकात के बाद अमरावती से बीजेपी उम्मीदवार नवनीत राणा ने समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए कहा कि मैं आज उनका (केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह) आर्शीवाद लेने आई थी। उनको मैं विश्वास दिलाने आई थी कि आपकी बार 400 पार का जो पीएम मोदी, देश और देश के लोगों का सपना है उस सपने को आगे लेकर बढ़ना है और इस 400 पार में एक अमरावती जरूर रहेगा।

बता दें कि बीजेपी ने लोकसभा चुनाव के लिए लिस्ट की घोषणा कर दी। नवनीत राणा को अमरावती सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। नागपुर में बावनकुले के आवास पर अपने समर्थकों के साथ और अमरावती, नागपुर, वर्धा और अन्य स्थानों के वरिष्ठ पार्टी नेताओं की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हुईं। जब वह भाजपा में शामिल हुईं तो उनके विधायक पति रवि राणा भी मौजूद थे। भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने अमरावती सीट के लिए पार्टी के उम्मीदवार के रूप में उनके नाम की घोषणा की। बावनकुले ने कहा कि वह 4 अप्रैल को अपना चुनाव नामांकन दाखिल करेंगी।

नवनीत राणा मौजूदा सांसद हैं और 2019 में उन्हें एनसीपी ने समर्थन दिया था। नवनीत राणा को उम्मीदवारी मिलने के बाद शिवसेना शिंदे गुट के अभिजीत अडसुल ने भी अमरावती लोकसभा के लिए आवेदन करने का फैसला किया है। अभिजीत अडसुल के कार्यकर्ताओं ने उनकी उम्मीदवारी के लिए आवेदन ले लिया है। अभिजीत अडसुल 4 तारीख को नामांकन फॉर्म दाखिल करेंगे।

तेजस्वी यादव ने कहा- बिहार ओछे बयानबाजी करने वालों की धरती नहीं

पटना (एजेंसी)। बिहार में किड़नी पर सियासत शुरू हो गई है। सम्राट चौधरी के बयान पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि उपमुख्यमंत्री द्वारा नारी शक्ति और बिहार की बेटी पर दिए गए घृणाप्रद बयान बीजेपी के चरित्र को बताता है। उन्होंने कहा कि बिहार ओछे बयानबाजी करने वालों की धरती नहीं है। ऐसी सोच न तो हमारे संस्कारों में है और न ही बिहार की संस्कृति में है।

वे ईश्वर से प्रार्थना करेंगे कि उपमुख्यमंत्री और उनकी पार्टी को मातृशक्ति का सम्मान करने की सद्बुद्धि प्राप्त हो। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मैं सभी कार्यकर्ताओं और बिहारवासियों से भी आग्रह करता हूं कि वे बेटी वंदना के साथ अपने हर कार्य की शुरुआत करें। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार माता सीता की जन्मस्थली है। बिहार बेटियों, माताओं और महिलाओं का सम्मान करने वाली पवित्र धरती है। हमारे संस्कारों और व्यवहार में मातृ-शक्ति का परम महत्व है जिसकी झलक हमारे कार्यों में दिखती है। बेटी वंदना हमारे बिहार की समृद्ध संस्कृति को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देगी और भटके हुए बीजेपी नेताओं को सही मार्ग पर लाने में मदद करेगी। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में लोकसभा चुनाव 2024 के लिए बीजेपी ने एक भी महिला उम्मीदवार नहीं बनाया है जिससे यह साफ हो गया है कि वे महिला-विरोधी हैं। हमने पहले ही कहा था कि उनका महिला आरक्षण बिल एक ढोंग था। बिहार की पहचान बीजेपी नहीं है और बिहार ओछे बयानबाजी करने वालों की धरती नहीं है।

केंद्रीय मंत्री पुरी ने कहा, राबड़ी देवी की राह पर सुनीता केजरीवाल

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी की तुलना बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी से की। केंद्रीय पुरी ने कहा कि मुख्यमंत्री केजरीवाल की पत्नी सुनीता संभवत- अपने पति की जगह पद पर बैठने की तैयारी कर रही हैं। केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री पुरी ने भाजपा की दिल्ली इकाई के चुनाव कार्यालय के उद्घाटन के मौके पर सुनीता केजरीवाल का जिक्र आने पर कहा, ''आप जिन मैडम की बात कर रहे हैं, वह शायद बिहार में राबड़ी देवी की तरह पद पर बैठने की तैयारी कर रही हैं।''

आतिशी ने बताया केजरीवाल का फोन लेकर क्या देखना चाहती हैं ईडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आप नेता व कैबिनेट मंत्री आतिशी ने कहा कि राउज एवेन्यू कोर्ट में सीएम केजरीवाल की रिमांड पर बहस चल रही थी, तब ईडी के वकील ने अंजाने में ईडी के असली मोटिव को कोर्ट के सामने रख दिया।

वकील ने कहा कि केजरीवाल को अभी कुछ दिन और रिमांड पर रखने की जरूरत है, क्योंकि केजरीवाल ने अपने फोन का पासवर्ड हमें नहीं बताया है। आतिशी ने कहा कि यह वहीं ईडी है जो यह कह चुकी है कि मुख्यमंत्री केजरीवाल का आबकारी नीति बनाए जाने के समय का फोन हमें नहीं मिला है।

उन्होंने कहा कि अब सवाल उठता है, जो फोन कुछ माह पुराना है, उस फोन को ईडी क्यों देखना चाहती है। मतलब साफ है कि कि ईडी उस फोन में क्या देखना चाहती है।उन्होंने कहा कि मैं बताना चाहती हूं कि ईडी के माध्यम से भाजपा उस रणनीति को देखना चाहती है कि चुनाव को लेकर केजरीवाल की क्या रणनीति है।

वह देखना चाहती है कि केजरीवाल ने लोकसभा चुनाव को लेकर क्या रणनीति तैयार की है। किस तरह एक-एक सीट का सर्वे कराया है। विपक्षी गठबंधन के साथ मिलकर उन्होंने चुनाव को लेकर क्या तैयारी की है।

शिबू सोरेन की बड़ी बहू सीता सोरेन ने लगाए हेमंत और कल्पना पर आरोप

–पति की रहस्यमय परिस्थितियों में हुई मौत की हाईलेवल जांच की मांग

रांची (एजेंसी)। झारखंड मुक्ति मोर्चा के संरक्षक शिबू सोरेन की बड़ी बहू सीता सोरेन जिन्होंने हाल ही बीजेपी ज्वाइन की है। बीजेपी में शामिल होने के बाद उन्होंने अपने परिवार पर उपेक्षा के आरोप लगाए थे। अब सीता सोरेन ने अपने पति दुर्गा सोरेन की रहस्यमय परिस्थितियों में हुई मौत को लेकर हाईलेवल जांच की मांग की है। इससे शिबू सोरेन परिवार को एक और झटका लगा है।

दिल्ली से लौटीं सीता सोरेने ने रांची में पत्रकारो से बात करते हुए कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) को खड़ा करने में अपना खून पसीना बहाने वाले उनके पति दुर्गा सोरेन की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हुई थी। वह अपने पति की मौत की हाई-लेवल जांच की मांग कर रही हैं। उन्होंने कहा कि वह कई साल से जांच की मांग कर रही थीं। सीता ने यह भी आरोप लगाया कि उनके पति की मौत के बाद उनके परिवार को उपेक्षा की नजर से देखा जाने लगा था। उनका आरोप था कि जेल में बंद झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ने उनका अपमान किया है। सीता ने कहा था कि मेरे पति की मौत के बाद उनके जीवन में जो बदलाव आया वह किसी बुरे सपने से कम नहीं था। उन्हें सामाजिक और राजनीतिक रूप से अलग-थलग कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि अगर वह सच्चाई को उजागर कर दें तो कई लोगों के सपने चकनाचूर हो जाएंगे। झारखंड के लोग उन पर थूकेंगे जिन्होंने उनके पति दुर्गा सोरेन और उनके लोगों को रास्ते से हटाने की साजिश रची थी।

उन्होंने जेएमएम पर हमला बोलते हुए पत्रकारों से कहा कि झारखंड का विकास प्रधानमंत्री मोदी की विचारधारा से ही संभव है क्योंकि जेएमएम अपने सिद्धांत से भटक गया है और भ्रष्टाचार में लिप्त हो गया है। बता दे कि सीता सोरेन ने हाल ही में बीजेपी का दामन थाम लिया था। उसके बाद बीजेपी ने सीता को दुमका लोकसभा सीट से मैदान में उतारा है। सीता सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा की नेता रही हैं और झारखंड के ही जामा सीट से विधायक हैं। उन पर 2012 के राज्यसभा चुनाव में मतदान के लिए पैसे लेने का आरोप लगा था और वह सात माह जेल में भी रहीं। इसके बाद 19 मार्च 2024 को सीता सोरेन ने पार्टी की ओर से उनकी उपेक्षा का हवाला देते हुए झामुमो के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया था।

चुनाव में सेलिब्रिटी की चांदी, भाजपा ने राम से लेकर ड्रीम्स गर्ल्स को दिया टिकट

–टीएमसी ने बिहारी बाबू को दिया मौका

नयी दिल्ली (एजेंसी)। फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का राजनीतिक पार्टियों से जुड़ने और चुनावी मैदान में उतरने की शुरुआत दशकों पहले ही हो गई थी और पिछले कुछ चुनावों से यह ट्रेंड बढ़ता ही दिखा है। बीजेपी ने लोकसभा चुनाव 2024 में कई फिल्म कलाकारों को मैदान में उतारा है। तृणमूल कांग्रेस ने भी फिल्म स्टारों को टिकट दिया है, वहीं कांग्रेस से भी संभावना है कि कुछ सेलिब्रिटी मैदान में हो। जाने-माने राजनीतिक विश्लेषक जयंत घोषाल बताते हैं कि राजनीति के मैदान में जो फिल्म से आते हैं, वे लोग सेलिब्रिटी होते हैं। सेलिब्रिटी होने के कारण उनका टीआरपी काफी हाई होती है और ये लोग पहले से ही पॉपुलर होते हैं। फिल्मी हस्तियों पर दांव खेलने का एक सबसे बड़ा कारण है कि ज्यादातर फिल्म स्टारों की छवि जनता में खराब नहीं है, जिससे उनकी स्वीकार्यता जनता में ज्यादा है।

बीजेपी ने इस बार भी जानी-मानी अभिनेत्री हेमा मालिनी को फिर से मथुरा से टिकट दी है। वहीं दूरदर्शन के रामायण सीरियल में घर-घर में पहचान बनाने वाले और भगवान श्रीराम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल को मेरठ से टिकट दिया है। बॉलिवुड अभिनेत्री कंगना रनौत को हिमाचल प्रदेश के मंडी लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया गया है। भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में सिंगर और अभिनेता के रूप में नाम कमा चुके मनोज तिवारी को बीजेपी ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली से उम्मीदवार बनाया है, वह यहां से मौजूदा सांसद भी हैं। वहीं बॉलीवुड और भोजपुरी फिल्मों में काम कर चुके रवि किशन को गोरखपुर सीट से फिर से टिकट दिया गया है, वह गोरखपुर से ही मौजूदा सांसद हैं। सांसद और भोजपुरी फिल्मों के अभिनेता दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ को आजमगढ़ से उम्मीदवार बनाया गया है। दिनेश लाल 2022 में इस सीट पर उपचुनाव जीते थे। बीजेपी ने बंगाल की हुगली सीट से मौजूदा सांसद लॉकेट चटर्जी को फिर उम्मीदवार बनाया है, वह पूर्व में बंगाली फिल्मों में काम कर चुकी हैं। बीजेपी ने मशहूर गायक और दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम करने वाले सुरेश गोपी को केरल के त्रिशूर से टिकट दिया है।

तृणमूल कांग्रेस ने शत्रुघ्न सिन्हा को आसनसोल सीट से टिकट दिया है। शत्रुघ्न सिन्हा ने अपने करियर की शुरुआत साल 1992 में दिल्ली उपचुनाव से की थी, हालांकि उस समय उन्हें राजेश खन्ना के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। यहां से हारने के बाद शत्रुघ्न सिन्हा ने बिहार से लोकसभा चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की, इसके बाद शत्रुघ्न सिन्हा कई बार सांसद रह चुके हैं। टीएमसी ने अभिनेता से नेता बनीं और हुगली लोकसभा क्षेत्र से रचना बनर्जी को मैदान में उतारा है। बंगाली फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री

रचना बनर्जी बीजेपी की सांसद लॉकेट चटर्जी के खिलाफ चुनाव लड़ेंगी। अभिनेत्री रचना की ओर से होस्ट किए जा रहे शो दीदी नंबर-1 बहुत लोकप्रिय रहा है। रचना बनर्जी तमिल, तेलुगु, बंगाली और उड़िया फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। ममता बनर्जी ने मिमी चक्रवर्ती और नुसरत जहां जैसे मौजूदा सांसदों को टिकट नहीं दिया है।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक व संपादक धुरन्धर चौहान द्वारा मूलनिवासी प्रिंटिंग प्रेस, मकान नं. 21 व 22, ब्लॉक, आर-3/ए-3, मोहन गार्डन, नई दिल्ली-110059 से मुद्रित तथा कार्यालय 'धुरन्धर टाइम्स' डी-405, ब्लॉक-डी मंगोलपुरी, नई दिल्ली-110083 से प्रकाशित किया। किसी भी कानूनी वाद-विवाद की स्थिति में दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगा। RNI : DELHIN/2016/71837 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं। विवादास्पद केवल दिल्ली में होंगे।